देहरादून, नई टिहरी, हरिद्वार, शिमला एवं लखनऊ से एक साथ प्रकाशित व हरियाणा,पंजाब, चंडीगढ़ से प्रसारित

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

खबर लाये हैं

8

G-mail:- dainikkhabarlayehain@gmail.com

वर्ष : 03 अंक 87 | शिमला, गुरूवार 29 मई 2025 | RNI-No. HPHIN/2023/83738 | पेज: 8 मूल्य : 1 रुपया

आज पटना आ रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

पटना (एजेंसी)। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकियों के सफाये के लिए चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार आज 29 मई को पटना आ रहे हैं। पटना में 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मालूम हो कि पांच महीने में प्रधानमंत्री की यह चौथी यात्रा है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि डबल इंजन सरकार बिहार में रोजगार और तेज विकास की पक्की गारंटी देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पटना और विक्रमगंज आ रहे हैं, इसलिए जनता में विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कल से शुरू होने वाली दो दिवसीय (29 और 30 मई) बिहार यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का भव्य कार्यक्रम इस राज्य के प्रति उनके विशेष लगाव और पूर्वी राज्यों को विकास की मुख्यधारा में लाने के संकल्प का प्रमाण है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के प्रयास से और उनकी प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए केंद्र सरकार ने बिहार के 20 जिलों में सड़क-पुल की 367.94 करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति दी। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में 103 नये पुल और 5 नयी ग्रामीण सड़कें बनेंगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी मौलिक सुविधाओं तक गांवों की पहुँच आसान होगी।

चांद दिखा 7 जून को देशभर में मनाई जाएगी बकरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। इमारत-ए-शरिया की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि बुधवार यानी 28 मई को माह-ए-जिलहिज्जा का चांद नजर आ गया है। इसके साथ ही बताया गया कि माह-ए-जिलहिज्जा की 10 तारीख यानी 7 जून को शनिवार के दिन देश भर में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाएगा। माह-ए-जिलहिज्जा हिजरी कैलेंडर का 12वां महीना है। इस महीने की 10 तारीख को ईद-उल अजहा यानी बकरीद का त्योहार मनाया जाता है। इसी दिन सऊदी अरब के मक्का शहर में दुनियाभर से पहुंचे मुसलमान हज अदा करते हैं। वहीं, दुनिया भर में जो लोग हज पर नहीं जा पाते हैं। अपने-अपने इलाके में बकरीद की नमाज अदा करने के बाद पशुओं की कुर्बानी देते हैं।

चौधरी बन रहे ट्रंप ने कहा रूस नहीं माना तो बुरा होगा, पुतिन ने दिया जवाब- तीसरा विश्वयुद्ध

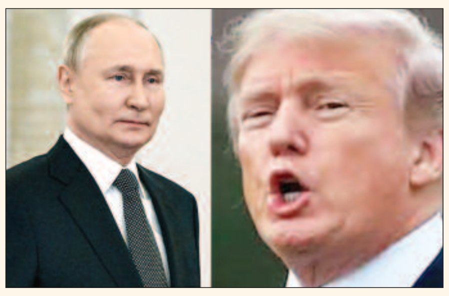

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका बिना बुलाया मेहमान और चौधरी बनने का मौका कहीं नहीं छोड़ता। कई बार उसे दो टूक जवाब भी मिल जाता है। हाल ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा कि वो आग से खेल रहे हैं और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो रूस के लिए वाकई बहुत बुरी चीज़ें हो सकती हैं। इसके जवाब में रूस ने भी खुली धमकी दी है- हमें एक वाकई बुरी चीज पता है—तीसरा विश्व युद्ध!

ट्रंप का बयान यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन पर अमेरिका की कड़ी प्रतिक्रिया का हिस्सा है। बीते दिनों यूक्रेन में बड़े ड्रोन हमले के बाद ट्रंप ने पुतिन को पूरी तरह पागल तक कह दिया था। अमेरिका इस समय रूस पर नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहा है, और ऐसे में यह बयान कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, अगर मैं न होता तो रूस के लिए अब तक वाकई बहुत बुरा हो चुका होता। और मेरा मतलब वाकई बहुत बुरा है। पुतिन आग से खेल रहे हैं! पश्चिमी देशों ने पुतिन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर शांति वार्ताएं टाल रहे हैं, जबकि रूस का कहना है कि यूक्रेन उनके नागरिकों पर हमले कर रहा है और ये जवाबी कार्रवाई है। रूस ने हाल ही में अमेरिका पर यह आरोप भी लगाया कि वह कूटनीतिक समाधान को नाकाम करने की कोशिश कर रहा है।

मणिपुर में भाजपा ने किया सरकार बनाने का दावा

-राज्यपाल के पास 10 विधायक पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा; यहां अभी राष्ट्रपति शासन

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। निर्दलीय विधायक सपाम निशिकांत सिंह ने कहा- हमने राज्यपाल को एक पेपर दिया है, जिस पर 22 विधायकों ने साइन किए हैं। मणिपुर में सभी एनडीए विधायक सरकार बनाना चाहते हैं। हम जनता का समर्थन भी चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही लोकप्रिय सरकार का गठन होगा।

बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को दिया इस्तीफा

मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं।

भारत में भी पैर पसार रहा कोरोना, अब तक देश में हुई 12 मौतें

पीएम मोदी की रैली में नजदीक रहने वालों का होगा टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना वायरस के मामले गंभीर नहीं हैं, लेकिन अमेरिका में कोरोना ने कहर मचा दिया है। अमेरिका में हर हफ्ते 350 मौतें कोविड संक्रमण से हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी ने जानकारी दी है कि 350 नागरिकों की मौत पिछले एक हफ्ते में कोरोना से हुई है।

भारत में भी कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1083 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना मरीज हैं। मंगलवार को कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। वहीं गुजरात में 13 मरीज रिकवर भी हुए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव मिलीं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं।

यूपी के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 हो गई है। पीएम मोदी के 29-30 मई को बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। निर्देश दिया गया है कि पीएम मोदी के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच की जाएगी।

जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दूसरी मौत निजी हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

बीबीएमबी एरियर चुकाने के शपथ पत्र के बिना नहीं मिलेगा हरियाणा और दिल्ली को किशाऊ बांध का पानी : मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश किशाऊ बांध से दिल्ली और हरियाणा को पानी तभी देगा जब तक ये राज्य सुप्रीम कोर्ट में बीबीएमबी के लंबित एरियर भुगतान को लेकर शपथ पत्र दाखिल करेंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हितों के साथ कोई समझौता नहीं होगा और सरकार पूरी मजबूती से जनता के अधिकारों की रक्षा करेगी। बुधवार को कुल्लू जिला के बंजार विकास खंड के देहूरी में एक जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि "मैं हिमाचल प्रदेश के लोगों की मांगों को लेकर दिल्ली गया। हम दिल्ली व हरियाणा को पानी देंगे, लेकिन पहले वह 14 साल से लंबित बीबीएमबी का एरियर हिमाचल प्रदेश को दें। मैंने साफ कह दिया है कि पहले पड़ोसी राज्य इस एरियर को देने का शपथ पत्र सुप्रीम कोर्ट दायर करें, फिर हम किशाऊ बांध पर आगे बढ़ेंगे। मैं प्रदेश को अपना परिवार मानता हूं इसलिए मैं हिमाचल प्रदेश के हितों के साथ समझौता नहीं करूंगा।"

उन्होंने इस मौके पर बंजार में सीबीएसई बोर्ड आधारित राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल और 10,000 लीटर क्षमता की मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा की। सुक्खू ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने प्रदेश की संपदा को चुनावी स्वार्थ में लुटाया और 5000 करोड़ रुपये की रेवड़ियां बांटीं,

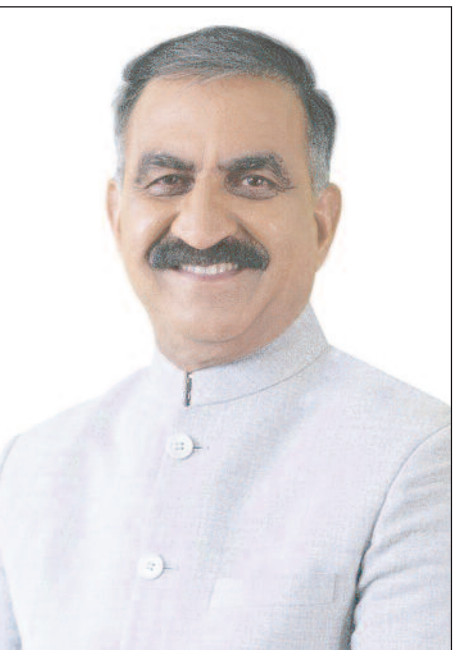

जबकि वर्तमान सरकार शिक्षा व बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार किए जा रहे हैं। पहली कक्षा से बारहवीं तक अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा शुरू की गई है और स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति व आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर शिक्षा में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। प्रदेश में आए प्राकृतिक आपदा के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए राहत कार्यों का जिक्र करते हुए सुक्खू ने बताया कि पूर्ण क्षतिग्रस्त मकानों के लिए मुआवजा 1.50 लाख से बढ़ाकर 7 लाख और आंशिक क्षति पर 1 लाख रुपये किया गया है। कुल्लू जिले में 223 पूर्ण व 853 आंशिक क्षतिग्रस्त मकानों को पुनः बसाने के लिए सहायता दी गई।

मुख्यमंत्री ने गाय के दूध का समर्थन मूल्य 32 से बढ़ाकर 51 रुपये और भैंस के दूध का मूल्य 47 से 61 रुपये प्रति लीटर करने की घोषणा भी की। साथ ही प्राकृतिक खेती से उगाई गई मक्की और गेहूं पर क्रमशः 40 व 60 रुपये प्रति किलो न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पशुपालकों को प्रति लीटर दो रुपये की ट्रांसपोर्ट सब्सिडी दी जा रही है। राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत पौधारोपण और संरक्षण के लिए 100 करोड़ रुपये की योजना चलाई जा रही है, जिसमें महिला और युवक मंडलों को भागीदार बनाया गया है।

पाकिस्तान से सटे बॉर्डर इलाकों में आज मॉक ड्रिल

-हवाई हमलों से बचने का होगा अभ्यास, सायरन बजेंगे; सिविल डिफेंस ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से सटे राज्यों में गुरुवार शाम को मॉक ड्रिल होगी। ये मॉक ड्रिल गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू कश्मीर में होगी। इस दौरान लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी जाएगी। सरकार ने 4 राज्यों- जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में मॉक ड्रिल करने का आदेश दिया है। इन 4 राज्यों की सीमा ही पाकिस्तान से लगती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 3,300 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा है। जम्मू-कश्मीर से लगने वाली सीमा को नियंत्रण रेखा यानी रुशष्ट कहा जाता है। जबकि, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से लगनी वाली सीमा अंतर्राष्ट्रीय सीमा कहलाती है। इससे पहले भी केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल करने का ऐलान किया था। लेकिन 6-7 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की।ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमला किया था, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए थे। लेकिन पाकिस्तान के 12 और आतंकी ठिकानों की लिस्ट तैयार है। पीओके से लेकर पाकिस्तान के अंदर तक आतंक की जड़ों को खत्म करने का ऑपरेशन चल रहा है।

पूर्व पाक सेना मेजर ने खोल दी पोल, आसिम मुनीर ने बनाया पहलगाम अटैक का प्लान, आईएसआई ने किया सर्विलांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। यह साजिश पाकिस्तान के सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अपने खिलाफ लोगों की नाराजगी को दूर करने और अपनी कुर्सी बचाने के लिए रची थी। यह बात पाकिस्तान के एक पूर्व मेजर ने इंडिया टीवी को बताई है। इस हमले के मास्टरमाइंड मुनीर ने पाकिस्तानी सेना के चार से पांच शीर्ष अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया था। पहलगाम में खून-खराबे की साजिश रचने वाले इन अधिकारियों के नाम, चेहरे और पदनाम अब उजागर हो चुके हैं।

यह बात पाकिस्तानी सेना के पूर्व मेजर आदिल राजा ने एक विशेष बातचीत में कही। राजा ने खुलासा किया कि कैसे पाकिस्तानी सेना आतंकवादियों का समर्थन करती है और जम्मू-कश्मीर में हिंसा को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान के भीतर से अपने संचालकों के माध्यम से काम करती है।

इससे भारत द्वारा पाकिस्तान प्रायोजित

आतंकवाद और पहलगाम हत्याकांड सहित भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने में उनकी सैन्य और खुफिया एजेंसियों के हाथ होने के बारे में किए गए दावों की पुष्टि होती है। ये दावे अज्ञात स्रोतों से नहीं बल्कि पाकिस्तानी सेना के एक पूर्व अधिकारी द्वारा किए गए चौंकाने वाले खुलासे से सामने आए हैं। रजा के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि उनकी सेना आतंकी हमले में शामिल थी और असीम मुनीर ने इसमें प्रत्यक्ष भूमिका निभाई थी।

ग्रीस संसद में कनिमोझी ने कहा, आतंकवाद से सिर्फ भारत ही पीड़ित नहीं, बल्कि पूरी दुनिया परेशान

एथेंस (एजेंसी)। ग्रीस में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हेलेनिक संसद में भारत-ग्रीस मैत्री समूह की अध्यक्ष मारिया एंटोनियो और संसदीय समूह एनडी के सचिव क्रिस्टोस डरमेंटज़ोपोलोस ने स्वागत किया। डीएमके सांसद कनिमोझी को ग्रीक पक्ष की ओर से डरमेंटज़ोपोलोस ने आभार प्रकट किया। हेलेनिक संसद में डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि जब भारत पर हमला होता है, तब सभी राजनीतिक दल एक साथ खड़े होते हैं क्योंकि हम अपने देशवासियों प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हाल ही में हमारी धरती पर हुई घटना से दुखी हैं। हम ग्रीस को हमारे साथ खड़े होने और आतंकवाद की निंदा करने के लिए धन्यवाद देते हैं।

कनिमोझी ने कहा कि आतंकवाद सिर्फ़ भारतीय धरती पर ही नहीं रुकता,

यह फैलता है, और कोई भी देश सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा कि वे दुनिया के गंदे काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कर भारत ने बहुत ज़िम्मेदारी से जवाब दिया। हमारी सेना ने उनके नागरिक आवासों या संरचनाओं, पूजा स्थलों या वैध सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। हमारे प्रधानमंत्री, राजनेताओं और लोगों ने स्पष्ट किया है कि अब बहुत हो चुका। वहीं, भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सऊदी अरब यात्रा शुरू हो गई है। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य बैजयंत जय पांडा ने कहा कि वह यह संदेश लेकर आए हैं कि आतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ है जिससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

रियाद पहुंचने से पहले प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन और कुवैत की यात्रा की। पांडा ने कहा, आतंकवाद पर भारत का रुख दृढ़ और अडिग है, यह एक ऐसा संदेश है जिसे हम अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब लेकर आए हैं। हम सऊदी अरब-भारत मैत्री समिति-शूरा काउंसिल सऊदी अरब के अध्यक्ष महामहिम मेजर जनरल अब्दुल रहमान अलहरबी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की सराहना करते हैं और हम अपनी बढ़ती साझेदारी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य शुरू कर रहे हैं।''

भारत से गए मुहाजिरों पर हो रहे अत्याचार, पीएम से बचाने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में रह रहे भारतीय मुस्लिम यानी मुहाजिरों पर अत्याचार हो रहे हैं। उनकी दांस्ता बताते हुए पाकिस्तान से निर्वासित नेता और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुहाजिरों को बचाने की अपील की है। हुसैन ने अपने लाइव संबोधन में पीएम मोदी की तारीफ की है। हुसैन ने पीएम मोदी से अपील भी की कि पाकिस्तान में भारत से आए मुहाजिरों पर पाक सेना अत्याचार करती है। इन्हें आज भी पाकिस्तानी नहीं समझा जाता। उन्होंने पीएम मोदी से उन मुहाजिरों को बचाने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाक सेना की कार्रवाइयों में 25,000 से ज़्यादा मुहाजिर युवाओं की हत्या कर दी गई और हज़ारों को उनके माता-पिता के सामने से उठाकर ग़ायब कर दिया गया, जो आज तक लापता हैं। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि पिछले 61 वर्षों से मुहाजिरों का शैक्षणिक, आर्थिक और

शारीरिक शोषण किया जा रहा है और पाकिस्तान में उनकी आवाज़ सुनने वाला कोई नहीं है।

गौरतलब है कि विभाजन के समय लाखों लोगों ने अपना घर-बार छोड़कर एक नई ज़िंदगी की शुरुआत की थी। पाकिस्तान गए इन भारतीय मुसलमानों को उम्मीद थी कि उन्हें वहां सम्मान और बराबरी मिलेगी, लेकिन दशकों बाद भी वे अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अल्ताफ ने कहा कि कुछ मीडिया चैनल्स ने उनके संबोधन को गलत समझा, उन्होंने पीएम मोदी को कोई चिट्ठी नहीं भेजी, बल्कि तारीफ की है और भावुक अपील भी। अल्ताफ के मुताबिक, पीएम मोदी का बलूच लोगों के प्रति नरम रुख साहसिक और नैतिकता दिखाता है। उन्होंने पाकिस्तान में भारत से गए मुहाजिरों पर हो रहे अत्याचार का भी जिक्र किया। अल्ताफ ने कहा कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था ने न केवल इन मुहाजिरों और उनकी आने वाली पीढ़ियों को पाकिस्तानी मानने से इनकार कर दिया है, बल्कि उनकी आवाज़ उठाने वाली पार्टी पर भी कई बार सैन्य कार्रवाई की है।

कौन हैं मुहाजिर

मुहाजिर वे लोग हैं जो भारत-पाक विभाजन के दौरान और उसके बाद भारत से पाकिस्तान गए थे, खासकर उत्तर भारतीय राज्यों से जाकर कराची, सिंध और पंजाब जैसे इलाकों में बसे। ये उर्दू भाषी लोग हैं और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक बन गए। इन्होंने पाकिस्तान के शहरी क्षेत्रों खासकर कराची, लाहौर और सिंध में बसकर शिक्षा, व्यापार, प्रशासन आदि में अहम भूमिका निभाई है।

मैं भाषा के बारे में बात करने के योग्य नहीं, इसे विशेषज्ञों पर छोड़ दें, कन्नड़ विवाद पर बोले कमल हासन

चेन्नई। कन्नड़ तमिल से निकला है वाले बयान को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता कमल हासन ने कहा है कि मैंने प्यार से कहा और स्नेह से कही गई किसी बात के लिए माफी नहीं मांगेंगे। केरल के तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से

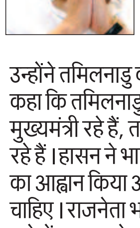

बात करते हुए हासन ने कहा कि मैंने जो कहा वह प्रेम से कहा था और बहुत से इतिहासकारों ने मुझे भाषा का इतिहास पढ़ाया है। मेरा कोई मतलब नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक हस्तियों में अक्सर ऐसे मामलों पर बोलने के लिए विशेषज्ञता की कमी होती है। मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) के अध्यक्ष कमल हासन ने राज्य के राजनीतिक इतिहास के उदाहरणों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु ने लंबे समय से विविधतापूर्ण नेतृत्व को अपनाया है। उन्होंने तमिलनाडु की राजनीतिक विरासत की समावेशिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहाँ मेनन हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, रेड्डी हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, तमिल हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं और कन्नड़ अयंगर हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं। हासन ने भाषा की उत्पत्ति के बारे में बयान देने में राजनेताओं से संयम बरतने का आह्वान किया और कहा कि ऐसे मामलों को क्षेत्र के विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। राजनेता भाषा के बारे में बात करने के लिए योग्य नहीं हैं। उनके पास इस बारे में बात करने की योग्यता नहीं है, जिसमें मैं भी शामिल हूँ। आइए हम इन सभी गहन चर्चाओं को इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें।

गोली मारकर लूटपाट करने के मामले में नाबालिग समेत तीन को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण जिले के संगम विहार इलाके में भाई के साथ जा रहे एक व्यक्ति को गोली मारकर 70 हजार रुपये लूटने की वारदात में शामिल नाबालिग समेत तीन बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपितों की पहचान अमन चौहान, हर्ष तथा उनके नाबालिग साथी के रूप में हुई है। आरोपितों के कब्जे से पिस्टल, छुरा तथा वारदात में इस्तेमाल चोरी की दो बाइक बरामद की गई हैं। अमन पर पहले से 13 केस दर्ज हैं। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 20 मई रात को संगम विहार में साईं चौक के समीप पुलिस को गोली चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने जांच में पता चला कि घटना में महेश नामक व्यक्ति अपने भाई के साथ जा रहा था। तभी दो बाइक पर सवार 4 बदमाशों ने उन्हें रोका और गोली चला दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वाहन चोरी निरोधक शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश यादव की टीम को जांच सौंपी गई। टीम ने 150 सीसीटीवी कैमरों की मदद से 15 किलोमीटर के दायरे में जांच कर लाल कुआं-पुल प्रहलादपुर इलाके से अमन चौहान और हर्ष को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर घटना में शामिल उनके नाबालिग साथी को पकड़ा गया।

दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 13.21 लाख की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक महिला से दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 13.21 लाख की ठगी करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने फर्जी डीएमआरसी ईमेल आईडी के माध्यम से पीड़िता को नकली नियुक्ति पत्र भेजकर भरोसा दिलाया और लाखों रुपये हड़प लिए। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी भूपेंद्र गुरु (27) के रूप में हुई है। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बुधवार को बताया कि मॉडल टाउन में रहने वाली एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने वाला एजेंट बताकर 13.21 लाख की ठगी की। आरोपित ने पीड़िता से उसके शैक्षणिक प्रमाणपत्र भी ले लिए और एक नकली नियुक्ति पत्र ईमेल के माध्यम से भेजा, जो देखने में दिल्ली मेट्रो की आधिकारिक ईमेल सा था। शिकायत के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि आरोपित सिर्फ व्हाट्सऐप के माध्यम से पीड़िता से संपर्क में था और जिन दस्तावेजों में उसका पता दर्ज था, वहां वह नहीं रहता था। मोबाइल नंबर और ठिकानों की कोई जानकारी नहीं थी। हालांकि, डिजिटल फुटप्रिंट्स और तकनीकी विश्लेषण के जरिए पुलिस ने उसे ट्रैक किया और सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि वह ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए आसान पैसा कमाना चाहता था। पुलिस ने आरोपित के पास से पीड़िता के मूल शैक्षणिक दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

टीचर से बनी गांजा तस्कर महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने टीचर से गांजा तस्कर बनी एक भगोड़ी महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला की पहचान उजमा (30) के रूप में हुई है। कोर्ट ने गांजा बेचने और तस्करी करने के चार मामलों में उसे भगोड़ा करार दिया हुआ था। पूछताछ में आरोपित महिला ने बताया है कि उसने सर्वोदय विद्यालय से 12वीं कक्षा पास की थी। इसके बाद वह अपने इलाके के छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर परिवार की मदद करती थी। इस दौरान उसकी दोस्ती गांजा तस्कर भारत उर्फ मोगली से हुई और उसने उससे शादी कर दी। बाद में भारत के साथ मिलकर उसने भी गांजे का धंधा शुरू कर दिया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि उत्तम नगर और बिंदापुर के चार अलग-अलग गांजा बेचने के मामलों में कोर्ट ने उजमा को भगोड़ा करार दिया हुआ था। पुलिस की टीमें लगातार उसकी तलाश कर रही थीं। इस बीच 27 मई को एक सूचना के बाद टीम ने उजमा को नन्हे पार्क, उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने समयपुर बादली इलाके में हुई हत्या के मामले में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान लिबासपुर निवासी पुरषोत्तम (18) और समयपुर बादली निवासी प्रदीप उर्फ विशाल (19) के रूप में हुई है। ये दोनों 12 मई, 2025 को हुए चंदन हत्याकांड में वांछित थे। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बुधवार को बताया कि चंदन की सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन, रोहिणी के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने दिन-दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए थे। इधर क्राइम ब्रांच की उत्तर रेंज-द्वद्व की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मामले में शामिल दो आरोपित शाहबाद डेयरी के रास्ते रोहिणी सेक्टर-24 होते हुए अपने किसी दोस्त से मिलने आ रहे हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने सेक्टर-11 स्थित जल बोर्ड ऑफिस के पास घेराबंदी की और रात करीब 11:50 बजे दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल की। उन्होंने बताया कि मृतक चंदन इलाके में लोगों से मारपीट कर अपनी धौंस जमाता था। कुछ दिनों पहले उसने दोनों आरोपितों से झगड़ा किया था। इसी रंजिश में उन्होंने चंदन को सबक सिखाने की योजना बनाई। आरोपित प्रदीप ने अवैध हथियार का इंतजाम किया और दोनों ने अपने दोस्त संदीप उर्फ मोंटी की मदद से चंदन को सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया। जहां उन्होंने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और फरार हो गए।

अब दिल्ली में ऐसी सरकार है, जो लोगों के लिए करती है काम : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्ता में 100 दिन पूरे होने पर अपनी सरकार को 'जनता के लिए काम करने वाली सरकार' करार देते हुए बुधवार को कहा कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजधानी में विकास कार्यों पर जोर दिया जा रहा है।

हमें चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं

सीएम गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में अपने संबोधन में नयी सरकार का समर्थन करने और उसपर विश्वास जताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि, अब दिल्ली में ऐसी सरकार है जो लोगों के लिए काम करती है। मैं शहर के लोगों को हमें चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। आपके विश्वास और हमारे प्रयासों से, हम पिछले 100 दिनों में कई चीजों को सही कर पाये हैं। जो परियोजनाएं और योजनाएं रुकी हुई थीं, उन्हें आखिरकार अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

डबल इंजन वाली सरकार का मिल रहा पूरा लाभ

सीएम रेखा गुप्ता ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि, दिल्ली को डबल इंजन वाली सरकार का पूरा लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार की जो योजनाएं पहले विलंबित या नजरअंदाज की जाती थीं, वे अब लोगों तक पहुंच रही हैं। गुप्ता ने घोषणा की है कि उनकी सरकार 31 मई को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जारी करेगी, जिसमें प्रमुख पहलों और प्रगति पर प्रकाश डाला जाएगा।

पर्यावरण मंत्री सिरसा ने क्या कहा

अभिनंदन समारोह में आज उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी थे। सिरसा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। पिछली आप सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए सिरसा ने कहा, ''हमने 100 दिनों में वह कर दिखाया जो वह 10 साल में नहीं कर पाए। 1984 के दंगों के पीड़ितों ने न्याय और समर्थन के लिए दशकों तक इंतजार किया, उन्हें अब हमारे प्रशासन के 100 दिनों के भीतर नौकरी के अवसर मिले हैं।

भारतीय सेना में 'गुर्जर रेजिमेंट' के गठन की मांग, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट के गठन करने की मांग को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने ऐसी मांग के लिए याचिका दाखिल करने पर याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए पूछा कि किस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं।

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मांग की गई थी कि भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट का गठन किया जाए। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में कहा गया कि गुर्जर रेजिमेंट के गठन से भारतीय सेना को मजबूती मिलेगी और ऐतिहासिक रूप से योद्धा समुदाय को भर्ती से फायदा होगा।

याचिका में यह भी कहा गया कि गुर्जर समुदाय जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड जैसे रणनीतिक सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं, जहां उन्होंने भारत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुर्जरों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जहां उन्होंने मेरठ, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और राजस्थान सहित कई क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अभिलेखों में गुर्जर योद्धाओं के ब्रिटिश सेना के खिलाफ आवाज बुलंद करने के सबूत भी हैं।

इस पर पीठ ने कहा, 'किस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं।'

हालांकि, बाद में बेंच ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता के वकील ने बताया है कि वे अपनी याचिका वापस लेना चाहते हैं। इसलिए, याचिका को वापस लेने के आधार पर इसे खारिज किया जाता है।

पेड़ों की अवैध कटाई मामले में वी के सक्सेना बरी, दोषी डीडीए अधिकारियों पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ों की अवैध कटाई से संबंधित अदालती अवमानना के एक मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को बुधवार को बरी दिया, लेकिन प्रत्यके दोषी अधिकारी को 25,000 रुपये को जुर्माना भरने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए पेड़ों के नुकसान की भरपाई के लिए कई निर्देश भी दिए।

पीठ ने डीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष सुभाषिश पांडा को भी राहत दी और उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद कर दी। उन्हें राहत देते हुए अदालत ने कहा कि अब वह इस पद (उपाध्यक्ष) पर नहीं हैं और पहले भी पूर्णकालिक सदस्य नहीं थे। पीठ ने हालांकि कहा इस संवेदनशील मामले में अदालत की अवमानना हुई है, लेकिन दोषी डीडीए अधिकारियों पर कुछ आर्थिक दंड लगाने के बाद मामले को इसे बंद किया जा सकता है। उपराज्यपाल इस मामले में पक्षकार नहीं थे, लेकिन अदालत ने उनसे भी स्पष्टीकरण मांगा था।

शीर्ष अदालत के 1996 के एक फैसले का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि डीडीए अधिकारियों ने पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से पहले उच्चतम न्यायालय की अनुमति न लेकर स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना की है। इसलिए उन पर जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को शीर्ष अदालत से अनुमति लेना अनिवार्य था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

न्यायालय ने तीन सदस्यीय एक समिति के गठन करने का आदेश दिया, जो एक योजना बनाकर अवैध रूप से काटे गए पेड़ों की भरपाई के उपाय बताएगी। पीठ ने कहा कि यह समिति समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह मामला बिना अनिवार्य अदालती मंजूरी के रिज क्षेत्र में 600 से अधिक पेड़ों को काटने से संबंधित है। उन पेड़ों की कटाई कथित तौर पर निर्माणाधीन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल तक जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिए की गई थी।

राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.1 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 70 प्रतिशत थी। आईएमडी ने दिन के दौरान बादल गरजने तथा बिजली कड़कने की संभावना के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

उद्घाटन के बावजूद स्कूल शुरू न होने पर 'आप' का प्रदर्शन

-90 करोड़ की लागत से तैयार स्कूल का नहीं मिल पा रहा है लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुंदर नगरी में बनाए गए दिल्ली सरकार के सर्वोदय विद्यालय में अभी तक बिजली पानी कनेक्शन न होने के चलते शिक्षा सत्र शुरू नहीं हो पाया है, इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी ने आज जबरदस्त प्रदर्शन किया जिसका नेतृत्व क्षेत्रीय विधायक वीर सिंह धिगान ने किया। इस अवसर पर सुंदर नगरी वार्ड से निगम पार्षद मोहिनी जीनवाल, नंद नगरी वार्ड से निगम पार्षद रमेश बिसाइयां, दिलशाद गार्डन वार्ड से पार्षद प्रत्याशी परवीन कसाना, पूर्व पार्षद विमलेश कोली, जलिा सचिव मतलूब राणा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ आरिफ के अतिरिक्त बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग, अभिभावक एवं बच्चे मौजूद थे।

विधायक वीर सिंह धींगान ने कहा कि दिल्ली सरकार की लापरवाही के चलते इस क्षेत्र के बच्चे इस आधुनिक स्कूल बिल्डिंग का लाभ नहीं ले पा रहे हैं जो कि उनके उज्जवल भविष्य के लिए पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार ने स्कूल के रूप में उन्हें यह सौगात दी थी, उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का शिक्षा विभाग एवं शिक्षा मंत्री इस मामले पर लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्दी ही इस स्कूल में बिजली पानी का कनेक्शन देकर यहां शिक्षा सत्र शुरू नहीं किया गया तो वह मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

पार्षद मोहिनी जीनवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का नारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पूरी तरह से खोखला साबित हो रहा है क्योंकि इस क्षेत्र की बच्चियों को आज स्कूल में दाखिला नहीं मिल पा रहा है जिसकी जिम्मेदार दिल्ली सरकार की एक महिला मुख्यमंत्री है जिनके इस लापरवाही पूर्ण रवय्ये पर उन्हें दया आती है। पार्षद रमेश बिसाइयां ने कहा की दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग को इस ओर तुरंत ध्यान देकर यहां बिजली और पानी का कनेक्शन करना चाहिए अन्यथा आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

इस विद्यालय की स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य एवं जिला सचिव मतलूब राणा ने बताया कि इस विद्यालय के निर्माण पर तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार ने 90 करोड रुपए का बजट खर्च किया था। बीते 22 नवंबर को तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी जी ने इसका उद्घाटन किया उसके बाद यह बिल्डिंग शिक्षा विभाग को समर्पित की गई, 6 महीने गुजर जाने के बावजूद शिक्षा विभाग इस विद्यालय में आज तक फायर की एनओसी, बिजली कनेक्शन और पानी कनेक्शन तक मुहैया नहीं करा पाया है, जिस कारण 6000 बच्चों की कैपेसिटी वाला यह स्कूल पूरी तरह से धूल फांक रहा है।

कंपनी के 35 लाख लेकर अकाउंटेंट हुआ फरार, आजमगढ़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिले के मोती नगर पुलिस ने रुपये लेकर फरार हुए निजी कंपनी के अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसकी कई गर्लफ्रेंड हैं। उनको इंप्रेस करने और गाड़ी खरीदने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान गुरुग्राम निवासी विवेक राज उर्फ साहिल (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने उससे रकम भी बरामद कर ली है। पश्चिम जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 24 मई को कर्मपुरा, मोती नगर स्थित एक निजी कंपनी से 35 लाख रुपये चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। वहां शिकायतकर्ता ने बताया कि वह फील्ड ऑफिसर है। उसने दफ्तर की अलमारी में 35 लाख रुपये पेमेंट के रखे थे। इसके बाद वह लाजपत नगर स्थित दूसरे ऑफिस चला गया। दफ्तर में उस समय केवल अकाउंटेंट विवेक राज मौजूद था। पुलिस ने उसकी तलाश की तो वह गायब था। पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस ने टेक्नीकल सर्विलांस की मदद से गुरुग्राम, नोएडा और आजमगढ़ छापेमारी की। आरोपित व्हाट्सएप और इंस्ट्राग्राम के लिए एक्टिव था। उसकी लोकेशन आजमगढ़ की मिली। पुलिस ने आजमगढ़ में कई होटल की तलाशी के बाद आरोपित को दबोचा। पुलिस ने उसके कब्जे से 34.98 लाख रुपये बरामद किए।

लाखों रुपये चुराकर फरार हुआ अकाउंटेंट दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली की मोती नगर पुलिस ने 35 लाख रुपये चोरी करके फरार हुए कंपनी के अकाउंटेंट को रकम समेत यूपी के आजमगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुरुग्राम के मानेसर निवासी विवेक राज उर्फ साहिल के रूप में हुई है। पुलिस को 24 मई को डायनमिक फोर्ज कंपनी के कार्यालय में चोरी होने की शिकायत मिली थी। कंपनी के कर्मचारी ने बताया कि वह कार्यालय की आलमारी में 35 लाख रुपये रखकर लाजपत नगर स्थित कार्यालय चला गया था।

अदालत ने दुष्कर्म मामले में इन्फ्लुएंसर युवक को अंतरिम जमानत दी, कहा 'एक हाथ से ताली नहीं बजती'

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने 40 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के आरोपी 23 वर्षीय युवक को इस बात पर गौर करते हुए बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी कि नौ महीने से जेल में होने के बावजूद उसके खिलाफआरोप तय नहीं किए गए हैं और अदालत ने कहा कि पीड़िता ''बच्ची नहीं है'' और ''एक हाथ से ताली नहीं बजती''।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने तीखी टिप्पणी करते हुए यह भी पूछा कि दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर युवक के खिलाफदुष्कर्म का मामला कैसे दर्ज कर सकती है, जबकि महिला स्वेच्छा से उसके साथ गई थी।

पीठ ने कहा, ''एक हाथ से ताली नहीं बजती। आपने (दिल्ली पुलिस) किस आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया है। वह बच्ची नहीं है। 40 साल की महिला है। वे दोनों एक साथ जम्मू गए। आपने धारा 376 क्यों लगाई है। यह महिला सात बार जम्मू जाती है और पति को कोई आपत्ति नहीं होती?'' शीर्ष अदालत ने कहा कि यह अंतरिम जमानत देने के लिए उपयुक्त मामला है क्योंकि आरोपी नौ महीने से जेल में है और आरोप तय नहीं किए गए हैं।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि आरोपी को अधीनस्थ अदालत में पेश किया जाए और नियमों-शर्तों के अधीन अंतरिम जमानत दी जाए। पीठ ने कहा कि वह अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा और महिला से संपर्क करने का प्रयास नहीं करेगा। शीर्ष अदालत ने आरोपी पर भी टिप्पणी करते हुए पूछा, ''ऐसे लोगों से कौन प्रभावित होता है?'' उच्चतम न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ आरोपी युवक द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उच्च न्यायालय ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत देने से इनकार कर दिया था। पुलिस की शिकायत के अनुसार महिला पहली बार 2021 में सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपी के संपर्क में आई जब वह अपने कपड़ों के ब्रांड के प्रचार के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की तलाश कर रही थी।

शुरुआती बातचीत के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर प्रचार सामग्री को प्रभावशाली दिखाने के लिए एक आईफोन का अनुरोध किया, जिसे उसने जम्मू में एक अधिकृत 'एप्पल स्टोर' के माध्यम से उपलब्ध कराया। हालांकि, आरोपी द्वारा आईफोन को बेचने का प्रयास करने के बाद उनके पेशेवर संबंध खराब हो गए। अधिकृत विक्रेता ने 20,000 रुपये काटने के बाद महिला के खाते में रुपये वापस कर दिए। शिकायत में कहा गया कि हालांकि, आरोपी ने रुपये वापस करने का वादा किया था, लेकिन कुछ समय बाद महिला ने उससे सभी संबंध खत्म करने का फैसला किया।

ये तो बस शुरुआत, हमने दिल्लीवालों से जो भी वादा किया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को पीतमपुरा इलाके में एसयू ब्लॉक पार्क में नए फुटपाथ के निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की सफलताएं भी गिनाईं। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अभी तो ये बस शुरुआत है। हमने दिल्ली के लोगों से जो भी वादा किया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। हमने दिल्ली के लोगों से कोई बड़ा वादा तो नहीं किया है, लेकिन जो भी किया है, उसे निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा।

उन्होंने पूर्व की 'आप' सरकार पर भी निशाना साधा। कहा कि पूर्व की 'आप' सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए काम करने की जगह पूरा समय आपसी खींचतान में ही बिता दिया, जिसकी वजह से यहां के लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि अगर पूर्व की सरकार ने दिल्ली के लिए उस समय काम कर दिए होते, तो आज निश्चित तौर पर लोगों को इन चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन, मैं आप सभी लोगों को आश्वस्त करती हूं कि आज की तारीख में दिल्ली में काम करने वाली सरकार है, जो बेकार के विवादों में नहीं पड़ते हुए लोगों के हित के लिए काम करने पर विश्वास करती है। हमने अब तक दिल्ली के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं और निश्चित तौर पर आगे भी लेते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने आवारा कुत्तों की समस्या पर भी प्रकाश डाला। बोलीं, ' मौजूदा समय में आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह समस्या हमारे संज्ञान में है। हम एक ऐसी व्यवस्था विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके तहत आम लोगों को भी समस्या न हो और न ही बेजुबान जानवरों को कोई दिक्कत हो।' उन्होंने कहा 'विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से यह निर्धारित किया गया है कि एक हजार व्यक्ति पर कम से कम दो बेड होना अनिवार्य है, लेकिन पूर्व की सरकार की संवेदनहीनता देखिए कि दिल्ली में एक हजार लोगों पर एक बेड तक नहीं था। इसे हमने गंभीरता से लिया और अब फैसला किया है कि दिल्ली में एक हजार व्यक्ति पर तीन बेड हर अस्पताल में होंगे। हम नहीं चाहते हैं कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित रहे।'

इसके अलावा, उन्होंने आयुष्मान योजना को लेकर भी अपनी बात रखी। कहा कि दिल्ली में पूर्व की सरकार ने अपनी राजनीतिक दुर्भावना के चलते इसे लागू नहीं होने दिया था, लेकिन हमने सत्ता में आते ही फौरन इसे लागू किया और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित नहीं रहे। आयुष्मान योजना की खूबियों पर प्रकाश डालते हुए सीएम ने कहा, 'ऐसी योजना आपको दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलेगी। यह योजना केवल आपको भारत में ही मिलेगी। दूसरे देशों में अगर स्वास्थ्य से संबंधित कोई योजना है भी, तो यह सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलती है, जो करदाता हैं, लेकिन आयुष्मान योजना के तहत हमने यह सुनिश्चित किया है कि हर व्यक्ति को इसका लाभ मिले। चाहे वो कर देता हो या नहीं।'

संक्षिप्त समाचार

यह परमाणु युद्ध की तैयारी ; गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका के विरोध में उतरा उत्तर कोरिया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर अपना कड़ा विरोध जताते हुए इस प्रोजेक्ट को बहुत ही खतरनाक और धमकी भरा पहल बताया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के तहत काम करने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिकन स्टडीज ने इस प्रोजेक्ट को अमेरिका फर्स्ट की सोच, अहंकार और मनमानी का उदाहरण बताया। साथ ही ये भी कहा कि यह अंतरिक्ष से परमाणु युद्ध शुरू करने की तैयारी जैसी है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 20 मई को गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट के डिजाइन को मंजूरी दी। साथ ही इसके लिए एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता की नियुक्ति भी की। यह प्रोजेक्ट लगभग 175 अरब डॉलर का है और इसका मकसद अमेरिका को मिसाइल हमलों से बचाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद बीते मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम के निर्माण को लेकर मंजूरी भी दे दी। अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। देखा जाए तो इस प्रोजेक्ट के तहत अमेरिका दुनिया भर की कक्षा में सैकड़ों उपग्रहों का नेटवर्क तैयार करेगा, जिनमें आधुनिक सेंसर और इंटरसेप्टर होंगे। इनका काम होगा किसी भी दुश्मन देश, जैसे चीन, ईरान, उत्तर कोरिया या रूस से छोड़े गए मिसाइलों को उड़ान भरते ही नष्ट कर देना। अब ऐसे में अमेरिका के गोल्डन डोम का विरोध दुनियाभर में होना शुरू हो चुका है। उत्तर कोरिया से पहले चीन भी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। चीन ने अमेरिका से इसे तुरंत बंद करने की अपील भी की है। वहीं उत्तर कोरिया और चीन दोनों का मानना है कि यह परियोजना वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

कनाडा पहुंचे किंग चार्ल्स, ट्रंप से तल्खी के बीच कनाडाई संसद में देंगे ऐतिहासिक भाषण

ओटावा, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ।।। सोमवार को कनाडा की राजधानी ओटावा पहुंचे। उनका यह दौरा ऐसे वक्त हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात कर रहे हैं। इसी के जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने किंग चार्ल्स को संसद के नए सत्र में स्पीच फ्रॉम द थ्रोन देने के लिए आमंत्रित किया है। बता दें कि स्पीच फ्रॉम द थ्रोन वह भाषण होता है जिसमें सरकार अपना एजेंडा जनता के सामने रखती है। आमतौर पर यह भाषण गवर्नर जनरल देते हैं, लेकिन कभी-कभी सम्राट खुद भी यह भाषण देते हैं। किंग चार्ल्स की मां, रानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने 70 साल के शासन में सिर्फ दो बार ऐसा किया था। ओटावा पहुंचने पर किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला का गवर्नर जनरल मैरी साइमन, प्रधानमंत्री कार्नी और रॉयल कैनेडियन ड्रैगून्स के 25 सैनिकों के सम्मान गार्ड ने स्वागत किया। किंग चार्ल्स इस सैन्य रेजीमेंट के कर्नल-इन-चीफ भी हैं। इस मौके पर गवर्नर जनरल मैरी साइमन ने कहा कि राजा की यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि हम कौन हैं और हमारी अलग राष्ट्रीय पहचान क्या है। कनाडा के लोग आमतौर पर राजशाही को लेकर बहुत भावुक नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी अमेरिका से फर्क दिखाने को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि किंग का दौरा कनाडा की स्वतंत्रता और संप्रभुता को साफ तौर पर दर्शाता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि यह ऐतिहासिक सम्मान हमारी संवैधानिक परंपरा और पहचान को दिखाता है। यह इंग्लिश, फ्रेंच और इंडिजिनस (स्थानीय) लोगों के मेल से बनी हमारी एकता को भी दर्शाता है।

ब्रिटेन- फुटबॉल फैन्स को कार ने कुचला, 47 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के लिवरपूल शहर में सोमवार को एक शख्स ने कार से कई फुटबाल फैन्स को कुचल दिया। हादसे में 47 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 27 को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है, जबकि 20 का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। ये फैन्स लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग में जीत पर विक्ट्री परेड निकाल रहे थे। लोकल पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर एक कार ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मारी। 53 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटना में आतंकी हमले की आशंका से इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस परेड में करीब 10 लाख लोग शामिल हुए थे। लोकल पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि आरोपी लिवरपूल इलाके में रहने वाला एक गोरा आदमी है। हम लोगों से अपील करते हैं कि आज रात हुई घटना के बारे में अटकलें न लगाएं। पुलिस ने लोगों से परेशान करने वाले वीडियो या तस्वीरें ऑनलाइन शेयर न करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने हादसे को चौंकाने वाला बताया लिवरपूल रिवरसाइड की सांसद किम जॉनसन ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग सुरक्षित होंगे और जल्द ही अपने परिवार के पास घर पहुंचेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना को चौंकाने वाला बताया। उन्होंने कहा- लिवरपूल की तस्वीरें भयानक हैं। मेरी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं। मुझे घटना की पूरी जानकारी दी जा रही है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि पुलिस को जांच के लिए जरूरी समय और जगह दें।

73 साल बाद सऊदी अरब में शराब बिकेगी, 600 टूरिस्ट स्पॉट पर मिलेंगी बीयर और वाइन

रियाद, एजेंसी। कट्टर इस्लामी नियमों को लेकर मशहूर सऊदी अरब अब शराब पर बैन हटाने की तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी सरकार देश में 600 टूरिस्ट प्लेस पर शराब की बिक्री शुरू करने की योजना बना रही है। मेट्रो न्यूज के मुताबिक शराब की अनुमति देने वाले नए लाइसेंसिंग कानून 2026 में लागू होंगे। ऐसा 2030 में वर्ल्ड एक्सपो और 2034 में शुरू होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) के हाथों में सत्ता आने के बाद से कई बड़े बदलाव हो चुके हैं। उन्होंने महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी, सिनेमाघर फिर से खोले और संगीत समारोहों की भी मंजूरी दी। अब शराब को भी सीमित तौर पर मान्यता देने की तैयारी हो रही है। सऊदी अरब में शराब पर बैन की असली वजह वहां के इस्लामिक कानून (शरिया) हैं। इसके अलावा इस्लाम से जुड़े दो पवित्र शहरों मक्का और मदीना होने की वजह से यहां शराब के खिलाफ बने नियमों को सख्ती से लागू किया जाता रहा है। कुरान में शराब को हराम माना गया है, क्योंकि यह सामाजिक और नैतिक बुराइयों का कारण बन सकती है। यहां पर शराब से संबंधित अपराधों (बिक्री, तस्करी, सेवन) के लिए सजा में कोड़े मारना, जेल, जुर्माना, या विदेशियों के लिए निर्वासन शामिल है।

20प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले शराब पर बैन : यह शराब सिर्फ कुछ लाइसेंस प्राप्त जगहों जैसे 5-स्टार होटल, लग्जरी रिसॉर्ट और खास विदेशी इलाकों में ही मिलेगी। यहां सिर्फ बीयर, वाइन जैसे हल्के अल्कोहल वाले पेय ही मिलेंगे। 20प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाले पेय अभी भी बैन रहेंगे। सरकार का मानना है कि इससे टूरिज्म बढ़ेगा और सऊदी अरब, दुबई और बहरीन जैसे देशों से मुकाबला कर पाएगा, जहां पर्यटकों को शराब पीने की छूट दी जाती है। 1932 में सऊदी बनने के बाद से ही शराब इस्लामी कानून के मुताबिक प्रतिबंधित थी, लेकिन 1952 में इसे लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए। अब 73 साल बाद इसमें ढील दी जा रही है। हालांकि सऊदी में आम लोगों के घरों, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर शराब पीना या रखना अभी भी मना रहेगा। यह छूट सिर्फ विदेशी पर्यटकों और कुछ खास जगहों तक ही सीमित रहेगी। 2024 में विदेशी डिप्लोमैट्स के लिए खुली दुकान 2024 में रियाद के डिप्लोमैटिक इलाके में शराब की पहली दुकान खोली गई थी। यह दुकान सिर्फ गैर-मुस्लिम विदेशी राजनयिकों के लिए है। हालांकि उनका दुकान में मोबाइल फोन ले जाना मना है और हर ग्राहक को मोबाइल ऐप से शराब खरीदने की लिमिट तय की गई है। अधिकारियों ने कहा कि उनका मकसद है कि सऊदी अरब अपनी संस्कृति को बनाए रखते हुए दुनियाभर के लोगों का खुले दिल से स्वागत करे, ताकि दुनिया सऊदी को वर्ल्ड एक्सपो क्या है जिसके लिए नियम बदल रहे एमबीएस वर्ल्ड एक्सपो एक ऐसा शो है जहां अलग-अलग देश, कंपनियां या संगठन अपने उत्पाद, तकनीक, संस्कृति, या विचारों को दुनिया के सामने पेश करते हैं। इसका मकसद लोगों को नई चीजें दिखाना, व्यापार बढ़ाना, संस्कृति और तकनीक का आदान-प्रदान करना है। वर्ल्ड एक्सपो कई देशों को एक मंच पर लाता है। इसमें देश अपनी संस्कृति, टेक्नोलॉजी और उपलब्धियों को दिखाते हैं। यह हर 5 साल में आयोजित होता है और 6 महीने तक चलता है। वर्ल्ड एक्सपो 2030 सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगा। यह आयोजन 1 अक्टूबर 2030 से 31 मार्च 2031 तक चलेगा। अरब देशों में शराब का सेवन और बिक्री ज्यादातर इस्लामिक कानूनों (शरिया) के कारण सख्ती से नियंत्रित या प्रतिबंधित है, क्योंकि इस्लाम में शराब को हराम माना जाता है। हालांकि कुछ अरब देशों में शराब के सेवन और बिक्री के लिए छूट दी गई है, खासकर गैर-मुस्लिमों और पर्यटकों के लिए। कतर ने शराब बेचने से कर दिया था इनकार कतर ने वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले वर्ल्ड कप के लिए शराब नीति को बदल दिया था। दरअसल, साल 2022 में कतर ने फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी की थी। इस दौरान उसने फीफा को यकीन दिलाया था कि वह स्टेडियम में शराब बेचने की अनुमति देगा।

हमास इजराइल के साथ सीजफायर के लिए तैयार-10 बंधक की रिहाई और 70 दिन युद्ध बंद रखने पर सहमत

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की तरफ से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है। रॉयटर्स के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है, जिनमें लंबी सजा काट रहे सैकड़ों कैदी शामिल हैं।

अभी तक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर कोई बयान नहीं दिया है। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके इसे तोड़ दिया था।

इजराइल का गाजा के 77प्रतिशत हिस्से पर कब्जा इजराइल ने गाजा पट्टी के 77प्रतिशत हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है। बीते 1 सप्ताह में 500 से ज्यादा लोगों की मौत इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे मानवीय संकट भयावह हो गया है। शनिवार और रविवार (24-25 मई 2025) को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 182 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इजराइल सेना के हमले में बीते एक सप्ताह में 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 19 जनवरी 2025 को इजराइल ने सीजफायर तोड़ दिया था। इसके बाद से अब तक गाजा में 2,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 7 अक्टूबर 2023 से शुरू इजराइल-हमास जंग में अब तक 55,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें हजारों बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं।

चीन के नागरिकों के लिए एडवाइजरी- बांग्लादेश में न डेंटिंग करें और न शादी

बीजिंग, एजेंसी। बांग्लादेश में चीनी दूतावास ने एक सलाह जारी की, जिसमें अपने नागरिकों से अवैध सीमा-पार विवाह व्यवस्थाओं से दूर रहने और ऑनलाइन मैचमेकिंग योजनाओं से सावधान रहने का आग्रह किया गया। सरकारी नियंत्रित ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, दूतावास ने चीनी नागरिकों को चेतावनी दी कि वे छोटे वीडियो प्लेटफ़ॉर्म पर भ्रामक सीमा-पार डेटिंग सामग्री के झांसे में न आएं या अनौपचारिक नेटवर्क या वाणिज्यिक मैचमेकिंग एजेंसियों के माध्यम से तथाकथित विदेशी पत्नियों की तलाश न करें, जो चीनी कानून के तहत निषिद्ध हैं। इसने नागरिकों से विदेशी पत्नी खरीदने की अवधारणा को अस्वीकार करने तथा बांग्लादेश में शादी करने से पहले सावधानी से सोचने का भी आग्रह किया। ये चेतावनियाँ चीन में दुल्हन की तस्करी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई हैं। अपनी अब समाप्त हो चुकी एक-बच्चा नीति और बेटों के लिए सांस्कृतिक वरीयता के कारण, चीन लैंगिक असंतुलन से जूझ रहा है। अनुमान है कि 30 मिलियन चीनी पुरुष जीवनसाथी नहीं ढूँढ़ पा रहे हैं और उन्हें ÷बचे हुए पुरुष÷ कहा जाता है। इसके साथ ही घटती विवाह दरों ने विदेशी दुल्हनों की मांग को बढ़ावा दिया है।

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है। मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे

लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं। शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं।

बस एक मजाक था, मैक्रों ने तोड़ी चुप्पी; विमान में पत्नी द्वारा धक्का दिए जाने का वीडियो हुआ था वायरल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पत्नी ब्रिजिट मैक्रों के साथ विवाद की अटकलों को खारिज कर दिया है। दरअसल, बीते दिन एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मैक्रों दंपती वियतनाम पहुंचे थे। वीडियो में विमान से उतरने से पहले ब्रिजिट मैक्रों को राष्ट्रपति के चेहरे को दोनों हाथों से पीछे की तरफ धकेलते हुए दिखाया गया था। वियतनाम मैक्रों के दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे का पहला पड़ाव है। यहां वे फ्रांस को अमेरिका और चीन की जगह एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में पेश करेंगे। यह लगभग एक दशक में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति का पहला दौरा है। मैक्रों इंडोनेशिया और सिंगापुर का भी दौरा करेंगे।

मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही : घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मैक्रों ने मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा, मैं और मेरी पत्नी झगड़ रहे थे। हलांकि, यह बहस कम मजाक ज्यादा था। हम बस मजाक कर रहे थे। मैं आश्चर्यचकित था। फ्रांसीसी नेता ने 2007 में ब्रिगिट से शादी की थी। उनकी मुलाकात हाई स्कूल में हुई थी। ब्रिगिट वहां पढ़ाती थीं। उन्होंने कहा, मामला अब एक तरह की आपदा बन गई है। कुछ लोग तो सिद्धांतों की बातें भी कर रहे हैं।

गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया : मैक्रों ने वीडियो को लेकर हो रहे हंगामे को गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का मकसद उस हल्के-फुल्के पल को खराब कराना था। राई का पहाड़ बना देना था। उन्होंने चिंता जताई कि हाल के हफ्तों में यह पहली बार नहीं था। उनके वीडियोज़ को पहले भी तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने ऐसे लोगों को पागल

कहा था। रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों को घेरा फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, वीडियो में मैंने एक टिशू लिया, किसी से हाथ मिलाया और अपनी पत्नी के साथ मजाक किया। ऐसा हम अक्सर करते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं। उन्होंने ऐसे नेटवर्क को दोषी ठहराया, जिसका पता लगाना काफी आसान है। उनका इशारा रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों की ओर था। वायरल वीडियो में क्या? यह वीडियो रविवार शाम का है, जब राष्ट्रपति मैक्रों वियतनाम के हनोई शहर पहुंचे। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान का दरवाजा खुलते ही एक यूनिफॉर्म में अधिकारी दरवाजा खोलता है। तभी एक महिला के हाथ (लाल जैकेट में) अचानक सामने आते हैं और राष्ट्रपति मैक्रों के चेहरे को दोनों हाथों से हल्का धक्का देते हैं - एक हाथ उनके मुंह और नाक पर होता है, दूसरा उनके जबड़े पर। इस अप्रत्याशित हरकत से मैक्रों थोड़े चौंक जाते हैं और पीछे हटते हैं, लेकिन फिर जल्दी से मुस्कुरा कर कैमरे की ओर हाथ हिलाते हैं। इसके बाद दोनों पति-पत्नी सीढ़ियों से नीचे आते हैं, हालांकि ब्रिजिट इमैनुएल मैक्रों की तरफ से आगे बढ़ाए गए हाथ को पकड़ने से इनकार करती देखी जा सकती हैं। जब यह मामला सुर्खियों में आया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति भवन (एलीसी पैलेस) ने सफाई दी। उन्होंने इसे कोई विवाद नहीं बल्कि एक निजी, मजाकिया पल बताया।

डरने की जरूरत नहीं, जीत सरकार की होगी..., राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दी हार्वर्ड की फंडिंग रोकने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय से टकराव में जीत मिली है। उन्होंने एक बार फिर दुनिया के इस शीर्ष विश्वविद्यालय को मिलने वाले अरबों डॉलर के अनुदान को रोकने की धमकी दी। स्मृति दिवस (मेमोरियल डे) पर अवकाश के दिन ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, मैं बहुत यहूदी विरोधी (एंटीसेमिटिक) हार्वर्ड से तीन अरब डॉलर के अनुदान को वापस लेने और उसे देशभर के ट्रेड स्कूलों को देने पर विचार कर रहा हूं। स्मृति दिवस पर अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश होता है। इसे हर साल मई के आखिरी सोमवार को मनाया जाता है। इस दिन अमेरिकी सेना के उन जवानों को याद किया जाता है, जो देश की सेवा में अपनी जान गंवा चुके हैं। उन्होंने एक बार फिर हार्वर्ड से विदेशी छात्रों की संख्या कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह हार्वर्ड से इन छात्रों की सूची मिलने का इंतजार कर रहे हैं। विदेशी छात्र अमेरिका के इस सबसे

पुराने विश्वविद्यालय की आय का एक अहम स्रोत हैं। ट्रंप ने कहा कि वह यह सूची इसलिए चाहते हैं, ताकि वह तय कर सकें कि अरबों डॉलर के फिजूल खर्च के कितने कट्टरपंथ और उपद्रवी लोग ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिका में वापस नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, आखिर में जीत सरकार की ही होगी। ट्रंप प्रशासन ने पिछले हफ्ते हार्वर्ड को विदेशी छात्रों के दाखिले रोकने के लिए आदेश दिया था। लेकिन शुक्रवार को एक जज ने इस आदेश को इस सप्ताह की सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया। अब तक 162 नोबेल पुरस्कार विजेता देने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय से ट्रंप बहुत नाराज हैं, क्योंकि उसने अमेरिकी सरकार की दाखिला और भर्ती पर कड़ी निगरानी को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप का दावा है कि यह विश्वविद्यालय यहूदी-विरोधी और सचेत उदारवादी (लिबरल) विचारधारा का गढ़ है। राष्ट्रपति ट्रंप उन अमेरिकी विश्वविद्यालयों और मीडिया जैसे अन्य संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं, जिन्हें वह देश में वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाले समझते हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड को सरकार से मिलने वाले 9 अरब डॉलर के अनुदान की समीक्षा करने की धमकी दी है। उन्होंने पहले 2.2 अरब डॉल के अनुदान और 60 मिलियन डॉलर के सरकारी अनुबंध रोक दिए हैं। साथ ही वह हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एक शोधकर्ता को भी देश से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

सत्यमेव जयते
Government of India
भारत सरकार
समाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
5 वीं मंजिल , पंडित दीनदयाल अन्त्योदय भवन ,सीजीओ कॉम्प्लेक्स ,लोधी रोड़ ,नई दिल्ली – 1100033
****

वर्ष 2025 के लिये दिव्यांगजनों के सशकिकरण के लिये राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिये "ऑनलाइन" माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना

वर्ष 2025 के लिये दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिये राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिये आवेदन / नामंकन जमा करने के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई ,2025 से 15 जुलाई, 2025 तक खुला है। इसका विवरण निम्नानुसार है।

1. आवेदन /नामंकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards .gov.in पर किये जायेगें।
2. वर्ष 2025 राष्ट्रीय पुस्कारों के लिये 15 जुलाई,2025 तक प्राप्त आवेदनों /नामांकनों पर ही विचार किया जायेगा।
3. वर्ष 2025 के लिये आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards .gov.in) पर ऑन लाइन जमा किया जाना है। नामांकन में उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिये, जिसमें उल्लेखनीय और प्रेरक उपलब्धियों को स्पष्ट रूप में शामिल किया जाना चाहिये तथा उपलब्धियों से सबंधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिये।
4. **भौतिक रूप से या किसी अन्य रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किया जायेगा।**
5 प्रात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिये विभाग की वेबसाइट (www.depwd.gov.in) तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards .gov.in)पर उपलब्ध दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिये राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिये दिशा निर्देश देखे जा सकते है।

cbc38117/11/0001/2526

संपादकीय

सहमति पर असहमति

सहमति से बने रिश्तों में खटास आना या प्रेमी जोड़े के बीच दूरियां बन जाना आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक शख्स के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते यह टिप्पणी की, जिस पर आरोप था कि शादी का झूठा वादा कर उसने महिला से बलात्कार किया। अदालत ने कहा, रिकॉर्ड से ऐसा नहीं लगता कि शिकायतकर्ता की सहमति, उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के वादे पर की गयी थी। पीठ ने कहा यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें शुरूआत में शादी करने का वादा किया गया हो। सहमति से बने संबंधों में खटास आना या पार्टनर के बीच दूरी आना, आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। मामले के अनुसार जून 2022 से जुलाई 2023 के दौरान आरोपी ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने इनसे इनकार किया और निचली अदालत में जमानत के लिए अपील की। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत अपराध है, जिसके लिए दस साल तक की सजा व जुमार्ना हो सकता है। मगर इस तरह के मामलों में अदालत साक्ष्यों व भावनाओं की अनदेखी नहीं करती। भले ही यह सरासर धोखा है मगर सच तो यह भी है कि वयस्क महिलाओं द्वारा विवाहपूर्व शारीरिक संबंध बनाने की सहमति प्रेम व समर्पण के रूप में दी जाती है। वास्तव में विवाहोपरांत भी रिश्तों में खटास आती है, मगर ऐसे में विवाह विच्छेदन जैसी सुविधाएं हैं, परंतु बगैर वैवाहिक रस्मों, परिवार या परिचितों के संज्ञान में लाये बगैर, गुपचुप बनाए गए इस संबंध में धोखे की गुंजाइश तलाशना बेहद मुश्किल होता है। यह भी कहना अतिश्योक्ति होगी कि धोखे से या फुसलाकर महिलाओं को दैहिक संबंधों के लिए राजी करने वाले पुरुषों की मंशा में शुरू से ही खोट नहीं होता। झूठे वादों, दिखावे या सच्चे प्रेम को परखने की कोई कसौटी नहीं होती। न ही सहमति से सेक्स करने के नतीजतन विवाह अनिवार्य हो सकता है। विवाह पवित्र बंधन ही नहीं है, सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था में अभी भी विवाहित जोड़ों को इज्जत से देखा जाता है। दूसरे; तमाम खुलेपन के बावजूद स्त्री शुचिता को लेकर चले आ रहे पूर्वाग्रह कमजोर पड़ते नहीं नजर आ रहे। जिनका समूचा खामियाजा अंततः स्त्री को ही भुगतना पड़ता है। नैतिकता ही नहीं, कानूनी पाबंदियों का भी ख्याल करते हुए पुरुषों को अपनी उतावली व भावनाओं पर काबू करना सीखना चाहिए।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाछा के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही परिवार की लॉटरी खुली

सनत जैन

राजनीति में नैतिकता अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। सत्ता में बैठे हुए राजनेता अपनी शक्तियों का उपयोग स्वयं के लिए, परिवार और इष्ट मित्रों को ध्यान में रखते हुए सत्ता का उपयोग कर रहे हैं। यह बात इसलिए कहीं जा रही है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उसके बाद वह जिस तरह की नीतियां बना रहे हैं। उन नीतियों के कारण दुनिया भर के उद्योगपतियों और राज नेताओं को यह बात समझ आ गई है। यदि उन्हें अपना कारोबार बचाना है, तो ट्रंप का आशीर्वाद जरूरी होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और परिवार के अन्य सदस्य इन दिनों दुनिया के देशों में घूम-घूमकर, गिफ्ट इकट्ठी कर रहे हैं। ट्रम्प परिवार अपने व्यापार में वृद्धि करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में ट्रंप के परिवार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट हासिल कर लिए हैं। अमेरिका की सरकार से अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए करीब एक दर्जन देशों में ट्रंप के परिवार की खूब खातिरदारी हो रही है। उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। ऐसे दर्जनों मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने हुए अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप परिवार की कमाई इन 5 महीनों में कई गुना बढ़ गई है। हजारों करोड़ रुपए के नए-नए प्रोजेक्ट ट्रंप परिवार की कंपनियों को मिले हैं। ट्रंप अमेरिकी सरकार के जो भी निर्णय कर रहे हैं। उसमें उनके परिवारजनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ट्रंप के परिवार ने पिछले 5 महीने में एक दर्जन से ज्यादा देशों में अपना कारोबार फैलाया है। टैरिफ को लेकर दुनिया के सभी देशों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भयाक्रांत किया है। जिसके कारण दुनिया भर के उद्योगपति और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, ट्रम्प को प्रभावित करने के लिए उनके परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करके, गंगा में नहाने का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। वियतनाम के विन पुक प्रांत में 13000 करोड रुपए का ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट प्रोजेक्ट इसका ताजा मामला है। वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर भूमि अधिग्रहण और वित्तीय छूट देकर ट्रंप परिवार के लिए कमाई के नए अवसर खोल दिए हैं। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट इंडोनेशिया के बाली में गोल्फ कोर्स और होटल इत्यादि के लिये ट्रम्प परिवार को मिला हैं। इसमें भी इंडोनेशिया की सरकार ने सभी नियम कानून को दरकरार करते हुए ट्रंप परिवार के ऊपर मेहरबानी की है। दुनिया के देशों में सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीस खुले आम अनैतिक रूप से काम करने लगे हैं। नैतिकता की कोई स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। निजी हितों को ध्यान में रखते हुए नियम, कायदे और कानून बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं पूरी तरह से खत्म होती जा रही हैं। एक तरह से पूंजीवादी व्यवस्था शासन व्यवस्था का अंग बनती जा रही है। आर्थिक कारणों से सत्ता में बैठे हुए लोग पक्षपात पूर्ण निर्णय कर रहे हैं। अमूमन यह स्थिति अधिकांश देशों में देखने को मिल रही है। राजनीति में आकर सत्ता के सिंहासन में बैठकर मनमाने तरीके से पैसे कमाने का जो चलन राजनेताओं के परिवारों और उनके पूंजीपति मित्रों में देखने को मिल रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग शासन व्यवस्था से दूर होता जा रहा है। शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अब पूंजीपतियों और निजी हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियां बना रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में जब यह सब खुले आम हो रहा है। इसका असर दुनिया के देशों में किस तरह का पड़ेगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर जिस तरह की तानाशाही शासन व्यवस्था स्थापित होती जा रही है। उसके कारण अब गरीब और मध्यम वर्ग का गुजारा बहुत मुश्किल हो गया है। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों में इस बदलाव के कारण दुनिया के देशों में अशांति फैलती जा रही है। ठीक 100 साल पहले की स्थिति में पूरी दुनिया पहुंचती हुई दिख रही है। पूंजीवादी व्यवस्था यदि इसी अनैतिकता के साथ आगे बढ़ती रही, तो बगावत जैसी स्थितियां बनते देर नहीं

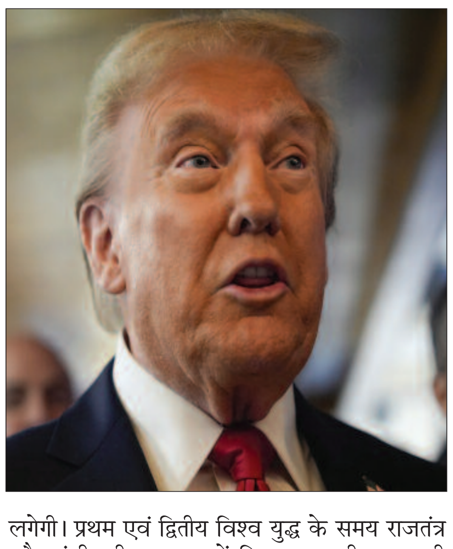

लगेगी। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय राजतंत्र और पूंजीवादी व्यवस्था में जिस तरह की तानाशाही प्रवृत्ति थी। वही प्रवृत्ति वतर्मान में देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ने लगी है। लोग अब इसकी चर्चा करने लगे हैं। समय रहते यदि इस स्थिति पर नियंत्रण नहीं किय गया, तो आने वाले वर्षों में मानव समाज और मानव सभ्यता को सुरक्षित रख पाना बहुत मुश्किल होगा। दुनियाभर के हुक्मरानों को इतिहास से सबक लेने की जरूरत है। बगावत की स्थिति में सत्ता में बैठे हुए लोगों के लिये जान-माल का सबसे बड़ा खतरा होता है।

माहवारी : ना रहे संकोच, खुलकर करें बात

बंदना प्रेयसी

सदियों से एक लड़की की माहवारी ऐसा विषय रहा जिसे उसे छिपाना पड़ता था। फुसफुसाहटें, झिझक और चुप्पी-ये सब उस प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया के साथ जुड़ गई, जो हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा है, लेकिन आज बिहार में यह खामोशी टूट रही है-और उसकी जगह ले रही है एक सशक्त आवाज।

मासिक धर्म स्वच्छता, जिसे अब तक सार्वजनिक नीति और सामाजिक दायरे के बाहर रखा गया था, अब हमारे स्कूलों, सामुदायिक भवनों, सरकारी कार्यालयों और सबसे महत्त्वपूर्ण हमारे घरों में प्रवेश कर रही है। यह सिर्फ सैनिटरी पैड्स की उपलब्धता या शौचालयों की सुविधा की बात नहीं है-यह एक सामाजिक परिवर्तन है, जो हमारी बेटियों और महिलाओं के प्रति हमारे व्यवहार को सिरे से बदल रहा है। देश-समाज के लिहाज से इस बदलाव के बहुत मायने है। क्योंकि अगर लड़कियां गरिमा के साथ अपनी माहवारी को संभाल सकती हैं, तो वे स्कूल में आसानी से पठन-पाठन कर सकती हैं। जब महिलाओं को स्वच्छता की सुविधा मिलती है, तो वे पूरी क्षमता से कार्यस्थल, समाज और जीवन में अपने दायित्वों का निर्वाहन करती है।

जब समुदाय बेझिझक, बिना शर्म के मासिक धर्म पर खुलकर बातचीत करता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता पर तो पड़ता ही है यह समाज बनने के रूप में भी फलीभूत होता है। दरअसल, यह केवल स्वच्छता की ही नहीं बल्कि न्याय की भी बात है। इस लिहाज से बिहार की प्रगति उल्लेखनीय है। भारत सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और बिहार सरकार के समर्पित प्रयासों के तहत, राज्य में स्वच्छ तरीकों से माहवारी प्रबंधन करने वाली युवतियों की संख्या (NFHS-4) के 31% से बढ़कर (NFHS-5) में लगभग 59% हो गई है, यानी दोगुनी। यह प्रगति राष्ट्रीय औसत (57.6% से 77.3%) की तुलना में भी उल्लेखनीय है।

ये महज आंकड़ें नहीं हैं बल्कि हमारे सामूहिक प्रयासों की पहचान है। वे सामूहिक प्रयास जिसमें फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्ता, शिक्षक, माता-पिता और खुद लड़कियों की सहभागिता से ही बदलाव संभव हुआ है। ये उपलब्धियां शानदार हैं, लेकिन अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। सुलभ सैनिटेशन मिशन के हालिया अध्ययन (2023-24) के अनुसार, खगड़िया और कटिहार में आधे से अधिक महिलाओं को अपने पिछले मासिक चक्र में आवश्यक साधन उपलब्ध नहीं थे, और 62% के पास उन्हें सुरक्षित रूप से फेंकने की जगह तक नहीं थी। ये आंकड़े केवल सेवाओं की कमी को नहीं दशार्ते, बल्कि एक गहरे मसले को उजागर करते हैः महिलाओं के पास अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार विकल्प चुनने की आजादी नहीं है, उन्हें गरिमा से जीने का अधिकार नहीं मिलता, और उनकी आवाज समाज में सुनी नहीं जाती।

इसीलिए बिहार का मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन रोडमैप (202225) केवल एक नीति नहीं-यह एक वादा है। यह एक ऐसा समन्वित प्रयास है जिसमें मासिक धर्म को एक 'साइड इश्यू' नहीं, बल्कि न्यायसंगत बिहार की परिकल्पना का मूल माना गया है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा से जुड़ता है, ग्रामीण विकास स्वच्छता के साथ मिलकर काम करता है। इसी का परिणाम है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन संभव हो पाया है। यूनिसेफ के सहयोग से स्कूलों में हमने 'सहेली कक्ष' की शुरूआत की है। सहेली कक्ष दरअसल ऐसा सुरक्षित स्थान है जहां लड़कियां विश्राम कर सकें, कपड़े बदल सकें और आत्मविश्वास के साथ अपनी माहवारी का प्रबंधन कर सकें।

अररिया और पूर्णिया के 50 से अधिक सरकारी स्कूलों में यह कक्ष बन चुके हैं, इसके अलावा अन्य स्कूलों में कक्ष बन रहे हैं, लेकिन सुरक्षित स्थान केवल दीवारों तक सीमित नहीं-वे शिक्षकों, सहपाठियों और समुदाय के नजरिए में भी परिलक्षित होना चाहिए। हमने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) सरीखे कार्यक्रमों को भी मासिक धर्म स्वच्छता के लक्ष्यों से जोड़ने का प्रयास किया है। इन योजनाओं की क्षमताएं असीमित हैं, लेकिन तभी जब अंतिम छोर तक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता संग सेवाएं पहुंचे। नीति और जनता के बीच की दूरी कम होनी चाहिए। और यह केवल 'महिलाओं का मुद्दा' नहीं है।

पुरुष और लड़के, पिता और भाई, शिक्षक और

पंचायत प्रतिनिधि-हर आवाज महत्त्वपूर्ण है। जब वे आगे आते हैं, सुनते हैं, और साथ खड़े होते हैं, तो वे शर्म और संकोच के बंधन को तोड़कर विश्वास की डोर को मजबूत करते हैं। यही समावेशिता का असली चेहरा है। आगे बढ़ते हुए, यह सुनिश्चित करना होगा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र में किशोरियों को सहयोग देने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हों। हर स्वास्थ्य कार्यकर्ता माहवारी पर संवेदनशीलता और आत्मविश्वास से बात कर सके, और हर स्कूल माहवारी को जीवन का हिस्सा माने-कक्षा छोड़ने का कारण नहीं। रोडमैप विकसित होता रहेगा। योजनाएं परिणाम देती रहेंगी। क्योंकि यह केवल एक जैविक प्रक्रिया को प्रबंध करने की बात नहीं-यह संभावना को अनलॉक करने और एक ऐसे भविष्य की लड़ाई है, जहां कोई भी लड़की सिर्फ इसलिए पीछे न रह जाए क्योंकि उसे माहवारी होती है।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल

इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्ल का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दशार्ता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है। (लेखक,पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सुशील कुमार त्यागी द्वारा दीप प्रिंटिंग प्रेस 61 कांवली रोड़ देहरादून से मुद्रित कर नीलकंठ निकेतन फ्लावर डेल नियर हिमुडा कॉम्प्लेक्स मार्किट छोटा शिमला, शिमला पिन-171001 से प्रकाशित किया। संपादक-अभिन्न कुमार, प्रबन्ध संपादक विजयेन्द्र दत्त गौतम फोन नं- 9358100757/98166220121

अमरनाथ यात्रा को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने की अपील, कहा- बाबा भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला ने श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि हमें अपनी आर्थिकी के लिए पर्यटन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। अगर हमें इस रियासत को आगे लेकर चलना है तो हमें उन टिकाऊ कारोबारी क्षेत्रों में आगे बढ़ना होगा, जो हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में समर्थ रहें।

पहलगाम में पत्रकारों के साथ बातचीत में डॉ फारूक अब्दुल्ला ने बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को पहुंचे नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि बेशक कश्मीर दुनिया का सबसे खूबसूरत जगह है। यहां दुनियाभर के पर्यटक आना चाहते हैं, पर्यटन में यहां बड़ी संभावना है, लेकिन इसके साथ एक मुसीबत यह भी है कि अगर एक गोली कहीं चल जाए तो लोग भागते हैं। मैंने करगिल में देखा, लोग भाग गए। हमारी सरकार थी। लोगों ने सामान गिरवी रखकर, बैंक लोन लेकर अपने होटलों को ठीक किया, टैक्सी वालों ने टैक्सी खरीदे। हर एक ने अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाए। बीते कुछ वर्ष से यहां पर्यटन जोर पकड़ रहा था और लोगों को इस वर्ष उम्मीद थी कि यहां करोड़ों की तादाद में देशी विदेशी सैलानी आएंगे।

उन्होंने आतंकियों को इंसानियत और कश्मीरियत का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा कि उन दरिंदो को यह सब नजर नहीं आया है, जिन्होंने ने यह कत्ल किया, उन्हें यह नहीं दिखा कि इन मासूमों का क्या होगा? इनके पास अल्लाह के सिवा कुछ नहीं है, यह खूबसूरती (वादी) ही इन मासूम लोगों को मिली है और वह इसी से रोजी रोटी कमाते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले की जितनी निंदा की जाए कम है। जो हुआ, हमें उसका अफसोस है। इसमें हमारा कोई कसूर नहीं है, यह हमने नहीं किया। मैं पूरे वतन के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि आप वापस आइए, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। हम ही नहीं, यहां भोलेनाथ भी आपका इंतजार कर रहे हैं। श्री अमरनाथ की यात्रा होने वाली है, ज्यादा से ज्यादा आइए, हर तरफ से आइए, जब आप यहां से होकर अपने घर जाएंगे तो बताएंगे कि आपने कितनी खूबसूरती देखी है और किस तरह लोग यहां इंतजार कर रहे हैं।

गुजरात समेत सीमावर्ती 4 राज्यों में गुरुवार को फिर होगी मॉक ड्रिल

अहमदाबाद। यूं तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो चुका है, हांलाकि दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। वैसे भारतीय सेना पड़ोसी पाकिस्तान को माकूल जवाब देने को पूरी तरह मुश्तैद है। देश के लोगों को भी किसी भी हालात में सतर्क रखने के लिए कल यानी गुरुवार को फिर एक बार मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत देश के चार सीमावर्ती राज्य गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में मॉक ड्रिल की जाएगी। जिसमें शाम 5 से 8 बजे तक सिविल डिफेंस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। लोगों को युद्ध की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाएगा। गत 7 मई को गुजरात में कुल 19 स्थानों पर यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। जिसमें सूरत, वडोदरा, काकरापार पहली श्रेणी में, अहमदाबाद, भुज, जामनगर, भावनगर, कांडला, नलिया, अंकलेश्वर, गांधीनगर, ओखा, वाडिनार दूसरी श्रेणी में और तीसरी श्रेणी में मेहसाणा, नर्मदा, भरूच, डांग, कच्छ और नवसारी जिले शामिल थे। गुजरात ही नहीं बल्कि केन्द्र सरकार ने 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल करने की घोषणा की थी। दूसरी ओर 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किये, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गये थे। अब पाकिस्तान में 12 और आतंकवादी ठिकानों की सूची तैयार है। पीओके से लेकर पाकिस्तान के अंदर तक आतंकवाद की जड़ों को खत्म करने के लिए अभियान चल रहा है। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी है ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। मतलब साफ है कि जब तक पड़ोसी देश में छिपे आतंकवादियों को नेस्तनाबूद नहीं कर दिया जाता तब तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा।

कानपुर मेट्रो परियोजना- तुर्की कंपनी के भागने से ठेकेदारों में हड़कंप

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर मेट्रो परियोजना में संलग्न तुर्की कंपनी गुलेरमक के निर्माण कार्य के दौरान भागने की घटना ने स्थानीय ठेकेदारों और प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। ठेकेदारों के अनुसार कंपनी ने अपने बकाया भुगतान को लंबित रखा है और उन्हें धोखा दिया है। इस पर ठेकेदारों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। यूपीएमआरसी के संयुक्त महाप्रबंधक ने इस मामले पर अपने दृष्टिकोण साझा किया और ठेकेदारों के बकाया भुगतान के विवरण दिए। उन्होंने यह भी बताया कि अगर गुलेरमक भुगतान में विफल रही, तो उन्हें राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य किया जाएगा। ठेकेदारों ने अपने बकाया भुगतान का विवरण साझा किया, जिसमें मेट्रो मार्बल के 3.70 करोड़, रेडिएंट सर्विसेज के 1.20 करोड़, श्रेयांस इन्फ्राटेक के 1.70 करोड़, एस इंटीरियर के 74.80 लाख, एमडी एहसान पेंटर के 39.80 लाख, विनोद गुप्ता एंटरप्राइजेज के 8.54 लाख, नंदन प्रीफैब के 29.50 लाख और श्री बालाजी एंटरप्राइजेज के 21.50 लाख रुपये शामिल हैं। ठेकेदारों का कहना है कि कंपनी ने बार-बार भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यूपीएमआरसी के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने बताया कि गुलेरमक ने कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के चार स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा किया था, और इसके लिए यूपीएमआरसी ने कंपनी को पूरा भुगतान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ठेकेदार गुलेरमक के सब-कॉन्ट्रैक्टर्स हैं, और अनुबंध के अनुसार मेट्रो ने 5 प्रतिशत राशि रिजर्व में रखी है, जो एक वर्ष बाद जारी की जाएगी। यदि गुलेरमक ठेकेदारों को भुगतान करने में विफल रहती है, तो यूपीएमआरसी इस राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य होगी।

कर्नल सोफिया पर विवादित बयान मामले की सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक अहम मोड़ आ सकता है। कोर्ट इस मामले में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता शामिल हैं, ने पहले ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की थी। एसआईटी ने अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से इस रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने के निर्देश दिए हैं।

क्या है विवाद - मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर सार्वजनिक मंच से विवादित टिप्पणी की थी, जिसे सेना, महिला संगठनों और विपक्षी दलों ने अपमानजनक और असंवैधानिक बताया था। इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की थीं।

चीनी सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव बढ़ाया, विमान और युद्धपोत देखे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइवान की हवाई क्षेत्र और आसपास के इलाकों में चीन के 31 सैन्य विमान, 1 पोत और 9 नौसैनिक जहाज देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि चीन की सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव और बढ़ा दिया है। इनमें से 22 विमान ताइवान स्ट्रेट की मीडियन लाइन पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में घुसे। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की सेना ने हालात पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। एक दिन पहले भी एमएनडी ने बताया था कि 61 चीनी विमानों ने सुबह 8:15 बजे तक उड़ान भरी और कई ने मीडियन लाइन पार की थी। इसके साथ ही कई नौसैनिक जहाज भी देखे गए थे। बढ़ते खतरे के बीच ताइवान की सेना युद्ध तैयारी को प्राथमिकता दे रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के अनुसार, नए हथियारों के साथ सैनिकों को नए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि देश को लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा और हथियारों का भंडार बनाना जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरी बार आतंकी हमला कर देते : सांसद मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में हमला कर 27 निर्दोषियों को मार डाला। इसके बाद एक और हमले की साजिश करने लगे। ऐसे में यदि ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरा हमला भी आतंकी कर देते। मनन मिश्रा ने 27 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम की घटना के बाद भारत ने 15 दिनों तक इंतजार किया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान खुद आतंकियों के खिलाफ एक्शन लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके उलट, हमारी खुफिया एजेंसियों ने बताया कि आतंकी फिर से भारत में हमले की तैयारी कर रहे हैं। तभी, 7 मई को भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 100 आतंकी मारे गए। मिश्रा आतंकी हमले पर दुनिया को भारत का पक्ष बताने के लिए अलग-अलग देशों में गए 7 में से एक डेलिगेशन का हिस्सा हैं। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एक डेलिगेशन ने मंगलवार को कांगो के सांसदों और नेताओं के सामने भारत का पक्ष रखा। मनन मिश्रा इसी डेलिगेशन में शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था।

यूपी ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, पुलिस चला रही ऑपरेशन लंगडा अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर किए। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किए। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश कर रही थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ाया है। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा है।

ऑपरेशन लंगड़ा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों में अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो पुलिस उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करना है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे। इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है, लेकिन इसकी कार्यशैली और नैतिकता पर भी चर्चा होती रही है।

मैंने ही मोदी सरकार से नोटबंदी की सिफारिश की थी! चंद्रबाबू नायडू ने कहा- इसकी फिर से जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कडप्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये, 1,000 रुपये और 2,000 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए। डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूँ, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है।

नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ़ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बाँटने की ज़रूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

जो बीजेपी नेता नहीं कर रहे वह शशि थरुर कर रहे : उदित राज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पार्टी सांसद शशि थरूर की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता बताया है और उन पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान की पोल खोलने और आतंकवाद विरोधी अपने रुख के लिए समर्थन जुटाने बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को विदेश भेजा है, जिसमें एक प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी शामिल थे। शशि थरूर के प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी, झामुमो, टीडीपी और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। उन्होंने अमेरिका, गुयाना और पनामा जैसे देशों का दौरा किया है, जहां उन्होंने सांसदों, थिंक टैंक, मीडिया और प्रवासी लोगों से बातचीत की और आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों के खिलाफ एकजुट भारतीय मोर्चा पेश किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर की आलोचना करते हुए उदित राज ने कहा कि बीजेपी नेता जो नहीं कह रहे हैं। वह शशि थरूर कर रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के योगदान के बारे में शशि थरूर की समझ पर भी सवाल उठाया और पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भारतीय सशस्त्र बलों का श्रेय लेने के लिए आलोचना की। थरूर ने भारत को निशाना बनाकर लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और कहा कि हाल के वर्षों में एक अहम बदलाव का मतलब है कि आतंकवादी अब समझ गए हैं कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

कैश कांड: जस्टिस वर्मा की बढ़ी मुश्किलें, मॉनसून सत्र में सरकार ला सकती है महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश कांड में बुरी तरह फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीर मानते हुए केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में महाभियोग ला सकती है। 3 मई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने के बाद वहां नकदी की बड़ी मात्रा में गड्डियां मिलीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार मॉनसून सत्र में यह प्रस्ताव लाएगी। दोनों सदनों के अध्यक्षों से अनुरोध किया जाएगा और विपक्ष से भी इस मामले पर सहमति ली जा सकती है। रिपोर्ट के बाद जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया है। उन्हें 20 मार्च को ट्रांसफर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया था। उन्होंने 5 अप्रैल को शपथ तो ली लेकिन अब तक उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश के साथ भेजी थी। बता दें कि जांच समिति 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा गठित की गई थी। जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधवालया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु सिवरमन शामिल थीं। बता दें कि संसदीय कानून के मुताबिक, महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसद और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के द्वारा प्रस्ताव को समर्थन मिलनी चाहिए। इसके बाद दोनों सदनों में कम से कम दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए।कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि अभी तक उन्हें सरकार की ओर से कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि सभापति जगदीप धनखड़ और अध्यक्ष ओम बिरला विपक्षी नेताओं से संपर्क कर सर्वसम्मति बनाने की कोशिश करेंगे।

यूपी ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, पुलिस चला रही ऑपरेशन लंगडा अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर किए। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किए। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश कर रही थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ाया है। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा है।

ऑपरेशन लंगड़ा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों में अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो पुलिस उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करना है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे। इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है, लेकिन इसकी कार्यशैली और नैतिकता पर भी चर्चा होती रही है।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित 14 राज्यों में 2 जून तक होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 28 मई से 2 जून तक बारिश, बिजली गिरने और 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश में 27 और 28 मई को ओलावृष्टि की संभावना है। उत्तराखंड में 28 मई से 2 जून तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान और जम्मू के कुछ क्षेत्रों में 28 मई को लू (हीटवेव) की चेतावनी भी दी गई है।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और विदर्भ में 31 तक बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। ओडिशा में 27 और 29 मई को बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि विदर्भ और पश्चिम बंगाल में 29-30 मई को बारिश की संभावना है। उत्तर भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और फिर 4-5 दिनों में गिरावट का अनुमान है। मध्य भारत में तीन दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं, इसके बाद तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ सकता है। पूर्व भारत में 5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी 2 जून तक देश के विभिन्न भागों में भारी बारिश, आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। दक्षिण भारत, पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी एवं मध्य भारत के साथ-साथ उत्तर भारत के कई राज्यों में यह असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी वर्षा और गरज-चमक के साथ तूफानी हवाएं चलने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में लू का भी खतरा बना हुआ है। केरल एवं माहे के साथ-साथ तटीय कर्नाटक में 28 मई से 2 जून तक गरज-चमक और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बहुत भारी वर्षा की संभावना है। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 मई से 2 जून तक लगातार भारी से बहुत भारी बारिश संभव है। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भी अगले पांच दिनों तक बौछारें, आंधी और 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है। तेलंगाना में 28-29 मई को बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।गुजरात में 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चल सकती हैं। कोंकण और घाट क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। अगले सात दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। मिजोरम (28 मई), असम और मेघालय (29-30 मई) को लेकर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

ब्राइडल लहंगे का सिलेक्शन

अब वो जमाना तो रहा नहीं कि मां अपनी बिटिया के लिए बड़े अरमानों से 16 कलियों का लहंगा बनवाती थी। आजकल तो डिजाइनर लहंगों का जमाना है और लहंगों का चुनाव भी कॉम्प्लेक्शन और बॉडी शेप के अनुसार किया जाने लगा है।

कॉम्प्लेक्शन के अनुसार लहंगे का चुनाव

गोरी त्वचा

अगर आपका कॉम्प्लेक्शन गोरा है तो आप पर हर रंग जंचेगा। आप खासकर सॉफ्ट पेस्टल शेड्स, जैसे पीच, पिंक, फिरोजी, सॉफ्ट ग्रीन में बेहद खूबसूरत लगेंगी। बेहतर होगा कि आप गहरे रंगों से बचें।

अगर आपकी रंगत गुलाबी है तो रिसेप्शन के समय आप सिल्वर वर्क के साथ डीप ब्लू या फिरोजी ब्लू रंग पहनें। आप चाहें तो गोल्ड वर्क के साथ एमराल्ड ग्रीन कलर के लहंगे का चुनाव भी कर सकती हैं। सुबह की रस्मों के लिए गोल्ड बेस वर्क के साथ क्रीम गोल्ड या कॉपर के शेड्स का चुनाव कर सकती हैं।

अगर आपका कॉम्प्लेक्शन येलोइश है तो शाम के फंक्शन के लिए मजेंटा, बर्गन्डी और सुबह की रस्मों के लिए सिल्वर वर्क के साथ पर्ल कलर का सिलेक्शन करें।

गेहूंए कॉम्प्लेक्शन के लिए

रिच ज्वेल टोन, एमराल्ड ग्रीन, रूबी रेड, ऑरेंज, रस्ट, नेवी ब्लू, फिरोजी ब्लू-ये सारे रंग आपके लिए ही बने हुए हैं। गोल्डन कॉम्प्लेक्शन पर एंटीक गोल्ड वर्क के साथ मस्टर्ड या कॉपर वर्क के केसरिया ऑरेंज या फिर डीप या रॉयल ब्लू पर सिल्वर वर्क खूबसूरत लगते हैं। थोड़े और गहरे कॉम्प्लेक्शन के लिए गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं।

एक बात का ध्यान रखें कि गेहुंए रंगत पर पेस्टल कलर कम ही अच्छे लगते हैं। अगर सही पेस्टल शेड का चुनाव नहीं किया गया तो दुल्हन का कॉम्प्लेक्शन और डार्क नजर आ सकता है।

सांवला या डस्की कॉम्प्लेक्शन

सांवली रंगत को गॉर्जियस लुक देने के लिए ब्राइट कलर पहनें। सनशाइन येलो, ऑरेंज, लाल, मजेंटा और ब्लू रंग आप पर खूबसूरत लगेंगे। बेज और सफेद भी इस कॉम्प्लेक्शन के लिए अच्छा सिलेक्शन है।

बॉडी शेप के अनुसार लहंगे का चुनाव

परफेक्ट शेप

अगर आप परफेक्ट शेप की हैं तो आप खुशकिस्मत हैं, क्योंकि आप पर किसी भी स्टाइल का लहंगा खूबसूरत लगेगा। जो भी लहंगा-स्टाइल इन है, आप उसे आजमा सकती हैं। वैसे स्लिम फिट लहंगा आप पर बेहद खूबसूरत लगेगा।

रॉ सिल्क, ब्रोकेड, जैकार्ड सिल्क-ये सारे फैब्रिक आप पर अच्छे लगेंगे। स्ट्रैपी, वन शोल्डर, ऑफ शोल्डर, डीप बैक-आप चोली के साथ कुछ भी एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। लेकिन अगर आप इन कट्स में कम्फर्टेब महसूस नहीं करती हैं तो आप फुल या हाफ स्लीव का लहंगा भी चुन सकती हैं।

आप पर किसी भी तरह की एम्ब्रॉयडरी अच्छी लगेगी। चुंकि आपका फिगर परफेक्ट है, इसलिए बेहतर होगा कि आप छोटी डिजाइन वाले लहंगा-चोली का सिलेक्शन करें। हाइट थोड़ी ज्यादा दिखानी हो तो खड़ी डिजाइन वाली एम्ब्रॉयडरी का चुनाव करें।

पियर शेप की दुल्हन के लिए

पियर शेप यानी जिन लड़कियों के कमर के ऊपर का हिस्सा तो शेप में होता है, लेकिन कमर के नीचे का हिस्सा काफी हैवी होता है, खासकर हिप्स। आपके लिए ए लाइन लहंगा ठीक रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपके लहंगे में ज्यादा वॉल्यूम न हो वरना आपका निचला हिस्सा और भी हैवी नजर आने लगेगा। स्टिफ की बजाय सॉफ्ट फैब्रिक का चयन करें। अपके फिगर को बैलेंस लुक देने के लिए फुल स्लीव की चोली पहनें या शोल्डर को पैडेड करवा लें।

पतली-लंबी लड़कियों के लिए

लहंगे को खूब सारा वॉल्यूम दें। इससे आपकी पर्सनैलिटी को ग्रेस मिलेगा और आप खूबसूरत नजर आएंगी। पतली-लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक जंचता है, इसलिए आप फैब्रिक की चिंता छोड़ दें। लंबी चोली का चुनाव करने से बचें। इससे आप और भी दुबली नजर आएंगी। दुपट्टा लंबा होना चाहिए। आप अपने लिए लहंगा डिजाइन करवाते वक्त कई सारे मैटेरियल का इस्तेमाल कर सकती हैं रॉ सिल्क, जामवार सिल्क, बनारसी ऑर्गेन्जा और क्रेप टिशू का इस्तेमाल करके आप एलीगेंट फ्लेयरी लहंगा डिजाइन करवा सकती हैं। इसके साथ ब्रोकेड की चोली पहनें। अपनी हाइट को बैलेंस करने के लिए शेडेड टोन इस्तेमाल करें। डीप नेक चोली सिलवाएं। हाई नेकलाइन और लंबी स्लीव का चुनाव कभी न करें।

छोले-भटूरे

भटूरे की सामग्री : 250 ग्राम मैदा, 2 टेबलस्पून सूजी (रवा), 1 टेबलस्पून दही, 1 टीस्पून बेकिंग पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि : उपरोक्त सामग्रियां मिलाकर पानी से आटा गूंध लें और एक घंटे तक यूं ही रहने दें।

छोले की सामग्री : 250 ग्राम काबुली चना, 50 ग्राम सूखा आंवला, 25 ग्राम चायपत्ती, 3 टमाटर, 1 प्याज, आधा इंच अदरक का टुकड़ा, आधा टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, आधा टीस्पून जीरा और हल्दी, एक तेजपत्ता, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून कसूरी मेथी, 1 टीस्पून बड़ी इलायची का पाउडर, आधा टीस्पून कालीमिर्च पाउडर, आधा टीस्पून सौंफ पाउडर, आधा टीस्पून अमचूर पाउडर. 50 मिली। तेल, नमक स्वादानुसार, सजाने के लिए बारीक कटी हुई हरी धनिया।

विधि : काबुली चना को 3-4 घंटे तक पानी में भिगो लें। फिर कुकर में उबालने के लिए रखें, साथ में नमक सूखा आंवला व एक कपड़े में चायपत्ती की पोटली बनाकर डालें। धीमी आंच पर दो सीटी होने तक पकाएं। टमाटर व प्याज को अलग-अलग पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें तेजपत्ता और जीरा डालें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर भूनें। प्याज का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भूनें, फिर टमाटर का पेस्ट डालें। अब हल्दी, नमक धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालकर भूनें। जब कड़ाही तेल छोड़ने लगे, तब उबले हुए चने डाल दें। 2 कप पानी डालकर थोड़ी देर पकाएं। नमक, कसुरी मेथी, इलायची पाउडर, कालीमिर्च पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर पाउडर डालें। हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

भटूरे की विधि : भटूरे की लोई बनाकर पूरी की तरह बेल लें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें। छोले के साथ गरमागरम सर्व करें।

महिलाओं को कम मत आँकिए

महिलाओं को कम आँकना, उनकी शक्ति, उनके प्रगल्भ विचारों तथा उनके प्रबंधकीय कौशल को नजरअंदाज करना आम बात है। ऑफिस हो या घर या फिर कोई सामाजिक कार्य, महिलाओं को हमेशा खुद को सिद्ध करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है

बहुत दिनों बाद, उस दिन अपार्टमेंट में कई सालों से पड़ोसी हम आठ-दस दंपति एक साथ मिल बैठे थे। बातें साधारण गपशप से सोसायटी के मेंटेनेंस तथा अन्य मुद्दों तक पहुँच गईं। हम सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी किसी बात पर चर्चारत थे कि अचानक एक सज्जन बोल पड़े- 'महिलाओं को तो वैसे भी किसी भी संस्था में इसलिए ही रखा जाता है ताकि कार्यक्रमों का संचालन वगैरह ठीक से हो जाए। बस!' मैं उनकी बात सुनकर स्तब्ध रह गई। मुझे लगा कि क्या किसी भी संस्थान में महिलाओं को केवल सजावटी पदों या काम के लिए ही रखा जाता है? क्या महिलाएँ नीतियों का निर्धारण, नियमों में परिवर्तन, उत्तम प्रबंधन आदि नहीं कर सकतीं?

महिलाओं को कम आँकना, उनकी शक्ति, उनके प्रगल्भ विचारों तथा उनके प्रबंधकीय कौशल को नजरअंदाज करना आम बात है। ऑफिस हो या घर या फिर कोई सामाजिक कार्य, महिलाओं को हमेशा खुद को सिद्ध करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है और जरूरी नहीं कि इसके बाद भी उन्हें उस रूप में पहचान मिल ही जाए। दुगुनी शक्ति से काम करने के बावजूद उनकी दक्षता को ज्यादातर नकारा ही जाता है। यहाँ एक यह तथ्य भी है कि घर की जिम्मेदारियों को पूर्ण करना महिलाएँ अपना दायित्व समझती हैं, इसलिए अधिकांशतः उनके सामाजिक विकास की शुरुआत देर से हो पाती है। ऐसे में उनके प्रति समाज के पूर्वाग्रह और भी बड़ी बाधा बनकर खड़े हो जाते हैं और उनकी दक्षता, कौशल, बुद्धिमत्ता तथा मेहनत का काफी हिस्सा इस बाधा से लड़ने में जाया होने लगता है। इसके बावजूद वे रणक्षेत्र में टिके रहने की पूरी ईमानदारी से कोशिश करती हैं। वीणा लोकुर मराठी फिल्मों की डायरेक्टर हैं। उनकी दो बेटियाँ हैं। बेटियाँ छोटी थीं, तब वीणाजी कुकिंग क्लास चलाती थीं। करीब 20 साल उन्होंने लोगों को पाक कला सिखाई। बेटियाँ बड़ी हुईं और जिम्मेदारियाँ पहले से कम हो गईं। उसके बाद उन्होंने फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में हाथ आजमाने का फैसला किया तथा 'मिशन चैम्पियन' नामक फिल्म बनाई और इस नए क्षेत्र में भी अपनी दक्षता को साबित किया।

तात्पर्य यह कि समय आने पर महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में अपने आपको सिद्ध करके बताती हैं और उनसे काफी कुछ सीखा जा सकता है। मैनेजमेंट गुरु शरू रांगणेकर अपनी किताब में लिखते हैं कि उनकी मैनेजमेंट गुरु उनकी श्रीमतीजी हैं। उन्होंने अपनी पत्नी को दिनभर घर और बाहर का प्रबंधन कुशलता से संभालते देखा। किचन से लेकर बच्चों की परवरिश, स्वयं का (पत्नी का) समय पर दफ्तर पहुँचना और दिनभर के एक-एक मिनट का सदुपयोग करना उससे सीखने योग्य था। शरू बताते हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी से यह भी सीखा कि किस तरह अपने आस-पास के माहौल तथा लोगों के साथ सामंजस्य स्थापित कर हर काम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए पत्नी जब खाना बना रही होती थी, तभी नया-नया चलना सीख रहा बेटा लड़खड़ाकर गिर जाता और रोने लगता। उसका ध्यान उस तरफ भी रहता और तुरंत आकर वह बच्चे को उठाते हुए कहती- 'अरे... इस फर्शी ने तुम्हें गिरा दिया... गंदी फर्शी... लेकिन तुम तो गुड बॉय हो' ऐसी बातों से वह बच्चे को बहला देती और फिर काम में लग जाती। इससे मैंने यह सीखा कि यदि आपको अपने अधीनस्थों से ठीक से काम करवाना है तो उनमें आत्मविश्वास भरिए। उन्हें कहिए- यह काम सिर्फ तुम ही कर सकते हो, इसलिए मैंने तुम्हें सौंपा है' इतना सुनकर उस कर्मचारी में आपके साथ-साथ स्वयं पर भी विश्वास बढ़ेगा। मैनेजमेंट की ऐसी कई बातें मैंने अपनी पत्नी से सीखीं।

अर्थात स्त्रियों में भी काम करने का कौशल तथा प्रबंधन का माद्दा होता है, बशर्ते उनके प्रति पूर्वाग्रह को छोड़कर उन्हें समझने और मौका देने की कोशिश की जाए। इसके लिए पूरे समाज को नए सिरे से सोचना होगा और स्त्रियों को भी स्वयं को मजबूत बनाना होगा ताकि लोगों की कटाक्ष की आँधियों में भी उनके इरादे डिगे नहीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3544

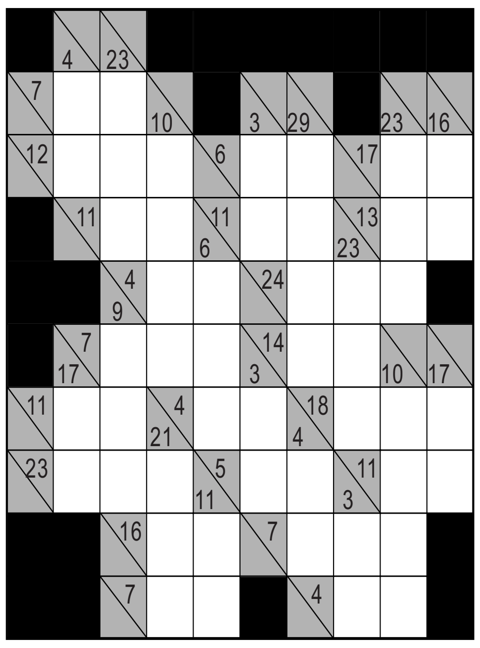

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

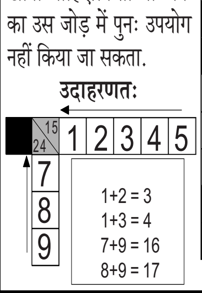

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3543 का हल

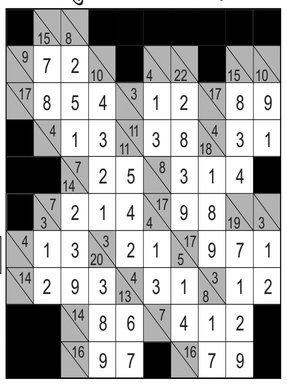

हंसी के फूव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैंठ जाइए.'

□ □ □

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

□ □ □

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

□ □ □

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3544

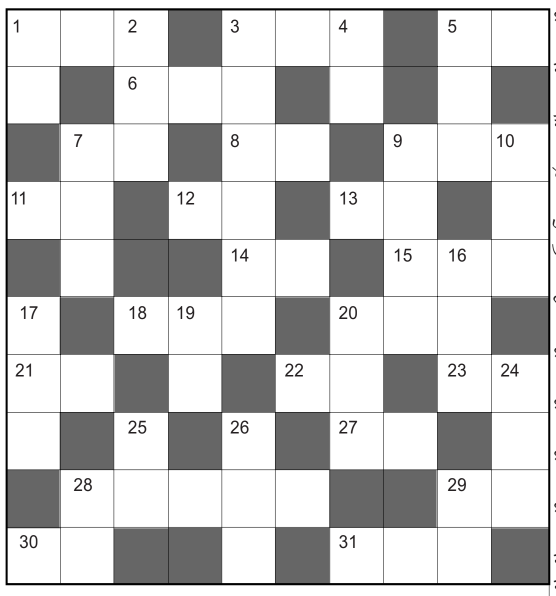

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3543

सूडोकु -3544

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3543 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3544

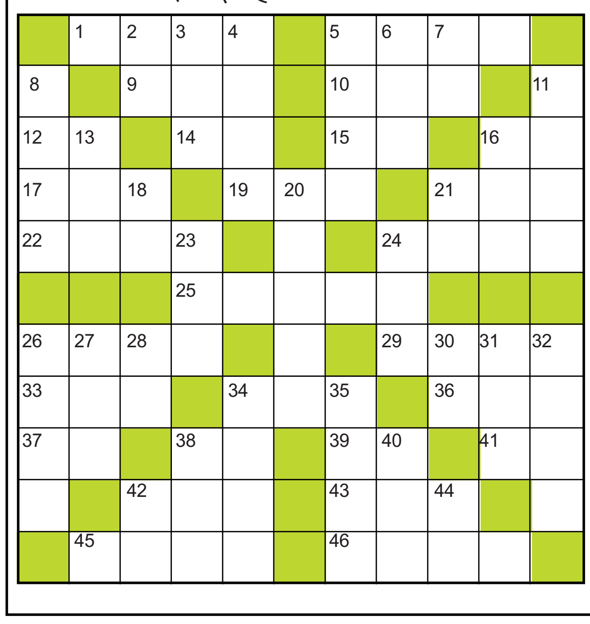

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली - 3543 का हल

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेवद्ध द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्त्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35-40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे-भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे-भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच-33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से माच : इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे-भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें ; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

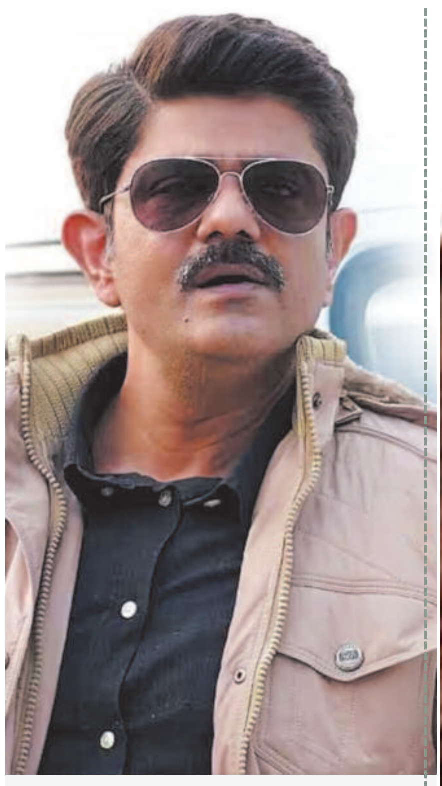

सिनेमा उद्योग में फिल्मों के बढ़ते बजट पर बोले अमित

अभिनेता अमित सियाल इस समय अपनी फिल्म रेड 2 से चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने ऑफिसर की भूमिका अदा की है। अब अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते बजट और कलाकारों की हाई फीस पर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि निर्माताओं को अपना स्टैंड लेने की जरूरत है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

अमित ने फिल्मों के बढ़ते बजट की बताई वजह

अमित सियाल ने हिंदी रश के साथ बातचीत की। उस दौरान अभिनेता से अनुराग कश्यप की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया, जिस पर अमिल सियाल ने बिना किसी का नाम लिए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'आप किसी ऐसे व्यक्ति को फिल्म में लेते हैं जो बहुत ऊंचे स्थान पर है। आप एक फिल्म निर्माता के रूप में उसके पास जाते हैं और यह अच्छी तरह जानते हुए कि वह एक व्यक्ति और एक्टर के रूप में कैसा है। यह उम्मीद करना कि लोग अचानक एक अच्छे एक्टर या व्यक्ति में बदल जाएंगे और उन्हें अपने स्तर पर लाएंगे, सिर्फ इसलिए कि आपने एक बेहतरीन स्क्रिप्ट लिखी है, यह भ्रम है। वो अपने जीवन से प्रतिदिन आप जैसे 500 लोगों को बाहर फेंक देते हैं।'

शिकायत करने की वजह नहीं है

आगे बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं समझता हूं कि लागत बहुत ज्यादा है, लेकिन आप जिस तरह की फिल्म बनाना चाहते हैं, उसके लिए आप गलत लोगों को नहीं चुन सकते। आप एक बड़ा सितारा चाहते हैं जो आपको दर्शकों की गारंटी दे, फिर आपको बिना शिकायत किए ये लागतें सहन करनी होंगी। शिकायत करने की कोई वजह नहीं है, अगर आपको लगता है कि कुछ गलत हो रहा है तो ऐसा न करें। किसी ने आपके सिर पर बंदूक नहीं तान रखी है।'

अनुराग कश्यप की किस टिप्पणी पर बोले अमित

अनुराग कश्यप ने लगभग एक साल पहले ह्यूमंस ऑफ सिनेमा के साथ एक इंटरव्यू में अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि अक्सर फिल्म के बजट का एक बड़ा हिस्सा वास्तव में फिल्म बनाने में नहीं जाता है, बल्कि यह साज-सज्जा, एक्टर्स द्वारा दूर-दराज इलाके में खान-पान चीजों की मांग में जाता है।

बिना फायदे वाली चीज पर ध्यान नहीं देती

अभिनेत्री खुशी कपूर अकसर लोगों की आलोचनाओं का शिकार होती हैं। उनकी पहली फिल्म द आर्चीज को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। उनकी दूसरी फिल्म नादानियां भी लोगों को पसंद नहीं आई। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि हर फिल्म उनके लिए सीखने का मौका है।

फिल्मों में काम करके हुई सहज

बातचीत में लवयापा अभिनेत्री ने माना कि उन्हें हमेशा से फिल्मों से प्यार रहा है। तीन फिल्मों के बाद वह अपने लिए एक मुकाम पाने में बहुत सहज हो गई हैं। उन्होंने कहा अभिनय के प्रति मेरा प्यार हमेशा से रहा है क्योंकि मैं फिल्म सेट के आस-पास ही पली-बढ़ी हूं। अगर आप खुद कोई विकल्प चुनते हैं तो यह बहुत आसान होता है। मुझे लगता है कि मेरे पास कहने के लिए कुछ है क्योंकि मैंने तीन फिल्में की हैं। मैं अपने विचारों और सोच को थोड़ा और व्यक्त कर सकती हूं।

आलोचनाओं को स्वीकार करना सीख लिया

खुशी ने कहा मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैं बस चुप रहती थी और सुनती थी। इसलिए अब मुझे लगता है कि जब मैं लोगों के साथ काम करती हूं तो मैं अपने विचार व्यक्त कर सकती हूं। 24 साल की खुशी को अब तक फिल्मों के लिए बहुत अच्छी समीक्षा नहीं मिली है, लेकिन खुशी जोर देकर कहती हैं कि उन्होंने बाकी आलोचनाओं को छोड़ते हुए रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना सीख लिया है।

बिना फायदे वाली आलोचना सुनने का कोई मतलब नहीं

खुशी कपूर ने बताया जब आप कुछ पढ़ते हैं या किसी से बात करते हैं तो आप बता सकते हैं कि वे जो कह रहे हैं उसका क्या मतलब है। मुझे लगता है कि रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना जरूरी है। अगर कोई आलोचना वास्तव में आपकी मदद नहीं कर रही है, तो मुझे नहीं लगता कि इसे सुनने का कोई मतलब है।

खुशी कपूर की फिल्में

आपको बता दें खुशी कपूर ने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज 2023 में बेट्टी कूपर की भूमिका निभाई थी। एक्ट्रेस ने 2025 में दो फिल्मों में काम किया। पहली जुनैद खान अभिनीत लवयापा और दूसरी नादानियां। नादानियां में इब्राहिम अली खान ने अभिनय किया है।

संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर हुईं दीपिका?

'कबीर सिंह' और 'एनीमल' जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'स्पिरिट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म में बाहुबली स्टार प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के फिल्म में कास्ट किए जाने की चर्चाएं थीं। लेकिन अब इस फिल्म में दीपिका पादुकोण को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ये खबर बेशक दीपिका के फैंस का दिल तोड़ देगी। 'स्पिरिट' की स्टारकास्ट को लेकर अब एक नई खबर सामने आ रही है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि फिल्म से दीपिका पादुकोण की छुट्टी हो गई है। तेलुगु इंडस्ट्री की कई रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं रही गई हैं। हालांकि, इस पर अभी तक दीपिका या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर काफी तेज फैल रही है। हालांकि, अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में दीपिका के फिल्म से बाहर होने के पीछे भी कई तरह के कारण बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि सेट पर काम करने के घंटों को लेकर भी दीपिका और मेकर्स के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि दीपिका ने फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपए की मोटी रकम की मांग की। जो उनकी अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। जबकि दीपिका ने अपनी लाइनें भी खुद बोलने से इंकार कर दिया। जिसके बाद संदीप रेड्डी वांगा और दीपिका के बीच तालमेल बिगड़ गया। नतीजा दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि दीपिका के बाहर होने के बाद अब मेकर्स फिल्म की नई हीरोइन की तलाश कर रहे हैं। इससे पहले दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हुई थी। हालांकि, बेटी के जन्म के बाद दीपिका ने फिल्म के सेट पर वापसी की थी। लेकिन अब इन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो फिल्म से बाहर हो गई हैं।

परेश रावल की जगह बाबू भैया के किरदार में दिखेंगे पंकज त्रिपाठी?

दिग्गज अभिनेता परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' से खुद को बाहर करने के बाद से ही उनकी जगह पर दूसरे एक्टर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आइकॉनिक किरदार बाबू भैया के लिए पंकज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। लेकिन क्या वाकई पंकज त्रिपाठी बाबू भैया की भूमिका निभाएंगे? इस पर खुद एक्टर ने अब रिएक्शन दिया है।

पंकज त्रिपाठी ने दी प्रतिक्रिया

'बॉलीवुड हंगामा' के साथ एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें हेरा फेरी 3 में कास्ट किए जाने की बात कर रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि वो कभी भी खुद को परेश रावल के बराबर नहीं समझते। पंकज ने कहा, 'मैंने भी लोगों की बातें सुनी और पढ़ीं, लेकिन मैं खुद को उस किरदार के लायक नहीं मानता। परेश जी एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके सामने मैं कुछ भी नहीं हूं।'

पकंज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर

बता दें जहां एक ओर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की तारीफ होती रही है, वहीं दर्शकों के बीच बाबू भैया का किरदार एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव रखता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस परेश की जगह पकंज त्रिपाठी का ही नाम ले रहे हैं जो इस रोल को अच्छे से निभाने का दम रखते हैं।

परेश रावल ने छोड़ी फिल्म 'हेरा फेरी 3'

परेश रावल के अचानक हेरा फेरी 3 से अलग होने की वजहों पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोंका है। आरोप लगाया गया है कि परेश रावल ने फिल्म साइन करने के बाद अचानक शूटिंग बीच में छोड़ दी। हालांकि, परेश रावल ने खुद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर साफ किया कि उनके और निर्देशक प्रियदर्शन के बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से फिल्म छोड़ी है।

पंकज त्रिपाठी की अपकमिंग सीरीज

फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर पंकज त्रिपाठी ने सीधे तौर पर ना तो हां कहा और ना ही मना किया, लेकिन वह जल्दी ही वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में उनके साथ जीशान अयूब, मिता वशिष्ठ, सुरवीन चावला और श्वेता बसु प्रसाद जैसे कलाकार भी होंगे। यह शो 29 मई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाला है।

शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बतौर जूरी हिस्सा लेंगी किरण राव

27वें शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। इस बार इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में निर्माता-निर्देशक किरण राव भी शिरकत करने वाली हैं। वे बतौर जूरी सदस्य फेस्टिवल से जुड़ेंगी। यह फेस्टिवल चीन के शंघाई में 13 जून से 22 जून 2025 तक आयोजित होने वाले हैं।

किरण ने जताई खुशी

फेस्टिवल में बतौर जूरी सदस्य नियुक्त किए जाने पर किरण राव ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि यह सम्मान की बात है। किरण राव के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और कहानी कहने को बढ़ावा देने वाले महोत्सव का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं स्क्रीन पर विभिन्न प्रकार की आवाजों और नजरियों का अनुभव करने और दुनियाभर के अपने साथी निर्णायकों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

ये दिग्गज हस्तियां होंगी शामिल

किरण वैश्विक सिनेमा की प्रतिष्ठित हस्तियों के पैनल में शामिल होंगी, जिसका नेतृत्व इतालवी निर्देशक और पटकथा लेखक ग्यूसेप टॉर्नेटोर करेंगे, जो ऑस्कर विजेता फिल्म सिनेमा पैराडाइसो के लिए जाने जाते हैं। जूरी सदस्यों में सिनेमा से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हैं। अर्जेंटीना के फिल्म निर्माता इवान फंड, चीनी अभिनेता और निर्देशक हुआंग बो, यूनानी निर्माता थानासिस कराथनोस, चीनी निर्देशक और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता यांग लीना और चीनी अभिनेत्री योंग मेई इस लिस्ट में हैं।

लापता लेडीज से बटोरी वाहवाही

किरण राव के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी लापता लेडीज ने जबर्दस्त तरीके से तारीफें बटोरीं। इस फिल्म में प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, छाया कदम और रवि किशन जैसे सितारे नजर आए। एक इंटरव्यू में किरण राव ने कहा कि वह इस फिल्म की वास्तविक सीमाओं से रूबरू थीं, क्योंकि इसका बजट कम था। इसमें कोई बड़े सितारे नहीं थे। इसके बावजूद उन्होंने कंटेंट और अपनी टीम पर भरोसा जताया।

बिग बॉस 19 हुआ कन्फर्म, सलमान ही होस्ट करेंगे शो

एक्टर सलमान खान के पॉपुलर शो बिग बॉस 19 को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ था। कहा जा रहा था कि कलर्स टीवी और प्रोडक्शन हाउस बनीजाय एशिया के बीच अनबन के चलते इस बार शो कैंसिल हो सकता है लेकिन अब फैंस के लिए राहत की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... बिग बॉस का 19वां सीजन अब कन्फर्म हो गया है और शो जरूर आएगा। इसे एंडेमोल शाइन इंडिया प्रोड्यूस करेगा। सबसे खास बात ये है कि इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे। बताया जा रहा है कि सलमान जून के आखिरी हफ्ते में शो के पहले प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। शो जुलाई में ऑनएयर हो सकता है। हालांकि, अभी तक शो के मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि शो के बड़े स्पॉन्सर के पीछे हटने की वजह से इसका बजट मुश्किल में आ गया है।